सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 130 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 16 जून, 2026
मूल्य ₹ 3/-

अपनी मेंटल साइकल्स का मैं शायद 10 प्रतिशत बिजनेस के बारे में सोचने में लगाता हूं। बिजनेस इतना जटिल नहीं है।
-बिल गेट्स

टाइम की 100 प्रभावशाली खेल हस्तियों में मंधान... 7 | कांग्रेस से निकले गुटों को एक... 3 | भाजपा ने लोकतंत्र की गरिमा... 2

परीक्षा लीक पर महायुद्ध

क्लीन नीट के लिए अब टेलीग्राम पर ताला

पूरे देश की राजनीति नीट एग्जाम पर टिकी

- हैकर्स और सरकार आमने सामने जीतेगा कौन?
- 21-22 जून को नहीं चलेगा टेलीग्राम
- 30 जून तक भारत में मैसेज एडिटिंग फीचर को बंद रखने के निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में शायद ही कभी किसी परीक्षा पर इतनी राजनीतिक प्रशासनिक और नैतिक प्रतिष्ठा दांव पर लगी हो जितनी इस बार नीट-यूजी-26 पर लगी हुई है। यह अब केवल मेडिकल कॉलेजों में दाखिले की परीक्षा नहीं रह गई है। बल्कि यह परीक्षा सरकार की विश्वसनीयता सिस्टम की ईमानदारी और करोड़ों युवाओं के भविष्य की अग्निपरीक्षा बन चुकी है। पिछले वर्षों में पेपर लीक के आरोपों ने जिस तरह देश की सड़कों से लेकर संसद तक भूचाल पैदा किया उसने सत्ता के गलियारों को हिला दिया है।

विपक्ष ने सरकार को कटघरे में खड़ा किया अदालतों में सवाल उठे लाखों छात्रों का भरोसा टूटा और पूरे देश ने देखा कि एक लीक हुआ प्रश्नपत्र किस तरह राजनीतिक विस्फोट में बदल जाता है। शायद यही वजह है कि इस बार सरकार परीक्षा नहीं मानो युद्ध लड़ रही है। सवाल यह है कि आखिर ऐसी कौन सी आशंका है जिसने सरकार को अभूतपूर्व कदम उठाने पर मजबूर कर दिया? प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के लिए अभेद्य इंतजाम डिजिटल निगरानी का जाल साइबर एजेंसियों की तैनाती और अब टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर अस्थायी रोक लगाने का फैसला। संदेश साफ है इस बार किसी भी कीमत पर पेपर लीक नहीं होना चाहिए। क्योंकि सरकार जानती है कि यदि परीक्षा पर आरोपों की एक बूंद भी गिरी यदि किसी कोने से भी लीक की भनक आयी यदि किसी चैनल पर एक वायरल स्क्रीनशॉट घूम गया तो उसका असर केवल परीक्षा केंद्रों तक सीमित नहीं रहेगा। राजनीतिक गलियारों में तूफान उठेगा विपक्ष को नया हथियार मिलेगा संसद से सड़क तक घमासान मचेगा और करोड़ों युवाओं के गुस्से की आग पूरे सिस्टम को अपनी चपेट में ले सकती है।

22 जून तक टेलीग्राम पर अस्थायी रोक

परीक्षा से जुड़ी धोखाधड़ी को रोकने के लिए एक बड़े कदम के तहत केंद्र सरकार ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की सिफारिशों के बाद पूरे भारत में मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर 22 जून तक अस्थायी रोक लगा दी है। यह कदम 21 जून को होने वाली नीट (यूजी) 2026 की दोबारा परीक्षा से पहले कथित पेपर लीक गलत जानकारी फैलाने वाले अभियानों और नकल कराने वाले नेटवर्क को रोकने के लिए उठाया गया है। एनटीए के एक बयान के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (एमईआईटीवाई) 2000 की धारा 69ए के तहत एक निर्देश जारी किया है। इसके तहत भारत में टेलीग्राम के इस्तेमाल पर 22 जून तक के लिए कुछ पाबंदियां लगाई गई हैं। इन पाबंदियों में परीक्षा का दिन और उसके ठीक बाद का समय शामिल है। इसके अलावा टेलीग्राम को निर्देश दिया गया है कि वह 30 जून तक भारत में अपने मैसेज एडिटिंग फीचर को बंद रखे। एनटीए ने बताया कि इस फीचर का पहले गलत इस्तेमाल किया गया है। एनटीए ने कहा कि ये दोनों कदम सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और नकल कराने वाले उन संगठित गिरोहों की गतिविधियों को रोकने के लिए उठाए गए हैं जो कथित तौर पर दोबारा परीक्षा देने वाले उम्मीदवारों को धोखा देने के लिए इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते थे। एजेंसी ने गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाले इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (I4सी) की भूमिका पर भी जोर दिया। I4सी ने नीट उम्मीदवारों को निशाना बनाने वाले टेलीग्राम-आधारित धोखाधड़ी और गलत जानकारी के खिलाफ प्रयासों में समन्वय किया है।

लड़ाई सिर्फ छात्रों और परीक्षार्थियों की नहीं

आज लड़ाई सिर्फ छात्रों और परीक्षार्थियों की नहीं है। एक तरफ है दुनिया की सबसे बड़ी परीक्षा मशीनरी चलाने का दावा करने वाली सरकार। दूसरी तरफ हैं साइबर अपराधी पेपर माफिया हैकर्स और वह गिरोह जिनकी नजर हर साल करोड़ों के इस काले कारोबार पर रहती है। यह मुकाबला किसी थ्रिलर फिल्म से कम नहीं एक तरफ सत्ता की प्रतिष्ठा दूसरी तरफ सिस्टम को चुनौती देने वाले नेटवर्क। मोदी सरकार के लिए भी यह परीक्षा बेहद निर्णायक है। क्योंकि अगर नीट बिना किसी विवाद के संपन्न होता है तो यह सरकार के लिए बड़ी प्रशासनिक जीत होगी। लेकिन यदि कहीं कोई सेंध लगती है कोई गड़बड़ी सामने आती है तो यह सिर्फ परीक्षा की विफलता नहीं मानी जाएगी। इसे व्यवस्था की नाकामी और सरकार की साख पर सीधा हमला माना जाएगा।इसलिए 22 जून तक देश एक अनोखे युद्ध का गवाह बनने जा रहा है।

24 घंटे में 10 लाख से ज्यादा डाउनलोड

इसके अलावा एनटीए ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट करके बताया, एडमिट कार्ड डाउनलोड करने की सुविधा शुरू होने के लगभग 24 घंटों में 10 लाख से ज्यादा छात्रों ने नीट यूजी-26 के लिए अपने एडमिट कार्ड डाउनलोड कर लिए हैं। हमारी टेक टीमें सर्वर पर पड़ने वाले लोड पर नजर रख रही हैं और एनटीए यह सुनिश्चित करेगा कि सभी उम्मीदवारों को परीक्षा से काफी पहले उनके एडमिट कार्ड मिल जाएं।

धोखाधड़ी वाली सेवाओं का खुलेआम प्रचार करते थे

एनटीए ने कहा कि राज्य पुलिस बलों और उसकी अपनी निगरानी प्रणालियों (जैसे I4सी) ने मिलकर कई ऐसे टेलीग्राम चैनलों, बॉट्स और ऑटोमेटेड बॉट्स को हटवाने में मदद की, जो परीक्षा से जुड़ी धोखाधड़ी वाली सेवाओं का खुलेआम प्रचार करते थे। एनटीए के अनुसार इस कार्रवाई को एमईआईटीवाई का समर्थन प्राप्त था और यह केंद्रीय व राज्य अधिकारियों से जुड़ी एक व्यापक अंतर-एजेंसी कोशिश का हिस्सा थी। एनटीए ने कहा कि ये नयी पाबंदियां तभी लगाई गईं जब समस्या के बड़े पैमाने को देखते हुए अन्य उपाय जैसे विशिष्ट चैनलों को हटाना और प्रवर्तन कार्रवाई नाकाफी पाए गए। अधिकारियों ने इस कदम को एक सोची-समझी और अस्थायी प्रतिक्रिया बताया, जिसका मकसद संवेदनशील परीक्षा अवधि के दौरान कम से कम जरूरी पाबंदियां लगाना था।

धोखाधड़ी नेटवर्क के खिलाफ धरपकड़ शुरू

बिहार पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंस यूनिट ने हाल ही में छात्रों के लिए एक सार्वजनिक एडवाइजरी जारी की है जिसमें उन्हें सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के जरिए परीक्षा के पेपर तक पहुंचने के झूठे दावों से सावधान रहने को कहा गया। अहमदाबाद शहर की साइबर क्राइम ब्रांच ने एक अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क के सदस्यों को गिरफ्तार किया जो कथित तौर पर परीक्षा से जुड़े घोटालों से जुड़े कई टेलीग्राम चैनल चला रहे थे। सुरक्षा एजेंसियों ने छात्रों और अभिभावकों को भरोसा दिलाया कि नीट(यूजी) 2026 की दोबारा परीक्षा तय कार्यक्रम के अनुसार 21 जून को आयोजित की जाएगी और कहा कि परीक्षा प्रक्रिया की सुरक्षा पूरी तरह सुरक्षित है। उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे अपनी तैयारी पर ध्यान दें, ऑनलाइन फैल रही बिना पुष्टि वाली जानकारी से बचें और परीक्षा से संबंधित अपडेट के लिए केवल आधिकारिक एनटीए चैनलों पर भरोसा करें। एनटीए ने नागरिकों से यह भी आग्रह किया कि वे किसी भी धोखाधड़ी वाले प्रयास या संदिग्ध दावे की सूचना नेशनल साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 या नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से दें। उसने सभी उम्मीदवारों के लिए निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

लीक पेपर के लिए करोड़ों की मांग कर रहे थे

एजेंसी ने आरोप लगाया कि पेपर लीक्ड नीट, री-नीट 26, प्राइवेट माफिया और इसी तरह के नामों से चल रहे कई टेलीग्राम चैनल परीक्षा के पेपर तक कथित पहुंच के बदले कुछ हजार से लेकर कई लाख रुपए तक की मांग कर रहे थे। एनटीए ने फिर से कहा कि कोई भी परीक्षा का पेपर लीक नहीं हुआ है और चेतावनी दी कि प्रश्न पत्रों तक पहले से पहुंच देने का दावा करने वाली कोई भी बात धोखाधड़ी है। टेलीग्राम के मैसेज एडिटिंग फीचर से जुड़ा निर्देश हेरफेर किए गए डिजिटल सबूत बनाने की चिंताओं को दूर करने के लिए लाया गया था। एनटीए के अनुसार यह फीचर एडमिनिस्ट्रेटर को पहले से पोस्ट किए गए मैसेज को एडिट करने और अटैच की गई फाइलों को बदलने की सुविधा देता है जबकि ओरिजिनल पोस्टिंग का समय वही रहता है। अधिकारियों का मानना है कि इस क्षमता का गलत इस्तेमाल करके यह झूठा दावा किया गया कि परीक्षा से पहले ही परीक्षा के पेपर उपलब्ध थे।

भाजपा ने लोकतंत्र की गरिमा के साथ खिलवाड़ किया है: अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले- बीजेपी के लोग असंसदीय भाषा बोलते हैं
» शिष्टाचार भी भाजपा ने खत्म किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का भाजपा पर करारा प्रहार जारी है। सपा मुखिया ने मैनपुरी में मीडिया से कहा कि भाजपा विपक्षी नेताओं की छवि खराब करती है। भाजपा के लोग असंसदीय भाषा बोलते हैं। उन्होंने राजनीतिक शिष्टाचार खत्म कर दिया है। ये खराब भाषा का प्रयोग करते हैं। समाजवादी पार्टी ने हमेशा भाषा और शब्दों के चयन का ध्यान रखा है। हमने कभी भी एक सीमा के बाहर जाकर विरोध नहीं किया, लेकिन भाजपा के लोगों ने लोकतंत्र की गरिमा के साथ खिलवाड़ किया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा नेता न किसी नेता का सम्मान करते हैं और न उसके सम्मान की परवाह करते है। भाजपा के लोगों ने ऐसी भाषा का प्रयोग किया है, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में शंकराचार्य का भी अपमान हुआ है। शंकराचार्य भी पीड़ित, दु:खी, अपमानित (पीडीए) हैं। समाजवादी सरकार में पीडीए को बड़े पैमाने पर भागीदारी मिलेगी। संसद में महिला आरक्षण बिल पास हो चुका है। सरकार 27 में महिला आरक्षण लागू कर दें।

बंगाल में ईवीएम के जलने पर उठाए सवाल

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में इस्तेमाल हुई चार हजार ईवीएम के आग में जल जाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि यह शक का फसाना है, बाकी जनता खुद समझदार है।

बीजेपी जीती 27 का विधानसभा चुनाव अंतिम इलेक्शन होगा

सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भाजपा को लोकतंत्र के लिए खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक व्यवस्था को नष्ट करने पर उतारू है। समाजवादी पार्टी की जिम्मेदारी लोकतंत्र बचाने की है, अन्यथा 027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अंतिम चुनाव लेगा। अखिलेश यादव ने सोमवार को समाजवादी पार्टी मुख्यालय लखनऊ में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यूपी का विधानसभा चुनाव लोकतंत्र बचाने का चुनाव है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता एकजुट होकर लोकतंत्र बचाने में जुटें। वोटर लिस्ट और बूथ पर ध्यान लगाएं। सभी कार्यकर्ताओं का व्यवहार शिष्ट होना चाहिए। प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है।

भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर है। भाजपा हर स्तर पर घोटाला कर रही है। भ्रष्टाचार से प्रदेश की जनता त्रस्त है। जमीनों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। पीडीए समाजवादी पार्टी के साथ है, इसलिए भाजपा घबराई हुई है। भाजपा पीडीए के खिलाफ साजिश कर रही है। सरकार जानबूझकर भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक करा देती है। इस अवसर पर वरिष्ठ सपा नेता शिवपाल सिंह यादव, सलीम इकबाल शेरवानी, राजेंद्र चौधरी, धर्मेंद्र यादव, श्याम लाल पाल आदि उपस्थित रहे।

सपा प्रमुख ने लिया साधु-संतों का आशीर्वाद

अखिलेश यादव से सोमवार को हरियाणा के राई, सोनीपत के प्राचीन शिव मंदिर के महंत प्रेमपुरी के नेतृत्व में साधु-संतों ने अखिलेश यादव से भेंट की। उन्होंने अखिलेश यादव को दीर्घ जीवन व चुनाव में जीत का आशीर्वाद दिया। महंत प्रेमपुरी व स्वामी दयानंद गिरि ने भाजपा पर आस्था की राजनीति का आरोप लगाया।

मेरे खिलाफ झूठा प्रचार किया जा रहा है : मान

» अकाल तख्त से जारी हुआ था हुकमनामा
» पंजाब के सीएम ने विवादित वीडियो को नकारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। सीएम भगवंत मान ने अपने कथित विवादित वायरल वीडियो को पूरी तरह नकार दिया है। श्री अकाल तख्त से मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के खिलाफ हुकमनामा जारी हुआ था। ऐसा पहली बार हुआ है कि अकाल तख्त ने किसी तत्कालीन सीएम के खिलाफ हुक्मनामा सुनाया हो।

चंडीगढ़ में पत्रकारवार्ता में सीएम ने कहा कि वीडियो में जो शख्स दिखाई दे रहा है वह मैं नहीं हूं। मैं हैरान हूं कि पंथ के इतने बड़े ओहदे पर बैठे लोग सियासी मोहरे की तरह काम कर रहे हैं। वीडियो में जो शख्स है, न तो उसकी कद काठी मुझसे मिलती है। यह मुझे केवल बदनाम करने की साजिश है। अपने सियासी आकाओं के इशारों पर मेरे खिलाफ यह हुक्मनामा दिया गया है। यह मेरे खिलाफ एक प्रोपेगेंडा है। मान ने कहा कि मैं श्री अकाल तख्त को सर्वोच्च संस्था मानता हूं और उसके आगे नतमस्तक होता हूं। श्री अकाल तख्त से मत्था लगाने के बारे में न तो मैं सोच सकता हूं और न ही मेरी आने वाली कई पीढ़ियां ऐसा सोच सकती हैं लेकिन श्री अकाल तख्त पर जो सियासी नियुक्तियां हुई हैं और ये लोग जिस तरह के फैसले ले रहे हैं, वह सारी संगत अच्छी तरह जानती है। वहीं आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी सीएम मान के स्पष्टीकरण वीडियो को शेयर करते हुए लिखा कि भगवंत मान के अच्छे कामों से बौखला कर विरोधी उनको झूठ बोलकर बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं।

मुझे बदनाम करने के लिए धर्म का कर रहे इस्तेमाल

सीएम ने कहा कि मैं पंजाब में गुरु की बाणी, पानी, किसानी और जवानी के लिए जो सरकारी फैसला ले रहा हूं वह मेरे विरोधियों को बर्दाश्त नहीं हो रहे हैं। इसलिए मुझे बदनाम करने के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं और इसके लिए धर्म का इस्तेमाल किया जा रहा है।

अमेरिका-ईरान शांति समझौते में भारत की भूमिका क्यों रही नदारद: श्रीनेत

कांग्रेस नेता ने पीएम मोदी व सरकार पर किया हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने रविवार को घोषित अमेरिका-ईरान के बीच 60 दिन के शांति समझौते और पश्चिम एशिया संकट को सुलझाने की कोशिशों का समर्थन किया। हालांकि, उन्होंने शांति प्रक्रिया में शामिल न होने और भारतीय नाविकों की मौत पर प्रतिक्रिया को लेकर भारत सरकार की आलोचना की।

श्रीनेत ने कहा कि हम शांति की किसी भी पहल का स्वागत करते हैं, क्योंकि दुनिया में जहां भी युद्ध होता है, उसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ता है। हमारे तीन नाविक शहीद हुए, और क्यों? क्योंकि अमेरिका ने बेरहमी से उनकी हत्या कर दी। यह जानते हुए भी कि उस जहाज पर भारतीय क्रू था, हमारे प्रधानमंत्री ने एक शब्द भी नहीं कहा। उन्होंने न तो शोक जताया, न ही कोई सहानुभूति दिखाई और न ही कोई शोक संदेश भेजा। अमेरिका के

सामने आपत्ति जताना तो बहुत दूर की बात है।

श्रीनेत ने आगे कहा कि हम शांति का स्वागत करते हैं, लेकिन हम यह भी पूछना चाहते हैं कि इसमें भारत की कोई भूमिका क्यों नहीं रही? शांति का इतना बड़ा समझौता हो रहा है और इसमें पाकिस्तान—जो एक बेचारा आतंकी देश है—भूमिका निभा रहा है। वॉशिंगटन और तेहरान के बीच हुई इस अहम कामयाबी में एक ऐसा समझौता शामिल है, जिससे पश्चिम एशिया में शांति और सुरक्षा आने और रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज़ जलडमरूमध्य के फिर से खुलने की उम्मीद है। ईरान के कानूनी और अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप-विदेश मंत्री काज़ेम ग़रीबाबादी ने इस समझौते की पुष्टि की और भविष्य की बातचीत के लिए ईरान की शर्तें बताईं।

ट्रंप बेरहम हत्यारा, भारतीयों की मौत पर पीएम चुप क्यों : केजरीवाल

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने खाड़ी देशों में तीन भारतीयों की मौत के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जिम्मेदार ठहराया है और उन्हें कायर और बेरहम हत्यारा बताया है। केजरीवाल ने ट्रू पर कहा कि इन भारतीयों की मौत के लिए ट्रंप को जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन्होंने एक कमर्शियल जहाज़ पर हुए अमेरिकी हमले, जिसमें कुछ लोगों की मौत हो गई थी, उस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी की आलोचना की। केजरीवाल ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पीएम मोदी चुप हैं, लेकिन जल्द ही भारत को एक मज़बूत प्रधानमंत्री मिलेगा जो आपको आपके गलत कामों की सज़ा देगा।

एसआईटी जांच सरकार की, इसमें कुछ नहीं निकलेगा: योगेश प्रताप

» समाजवादी पार्टी के पूर्वमंत्री ने राम मंदिर दान पात्र की कथित चोरी पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री योगेश प्रताप सिंह अयोध्या राम मंदिर दान पात्र की कथित चोरी को लेकर बड़ा बयान दिया हैं। उन्होंने इस मामले की जांच के लिए बनाई गई एसआईटी टीम पर संदेह जताया और कहा कि एसआईटी जांच सरकार की होती है।

इससे कुछ नहीं निकलेगा. इसकी जांच सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान जज से करवानी चाहिए तभी दूध का दूध और पानी का पानी होगा। सपा नेता योगेश प्रताप सिंह ने कहा कि अयोध्या राम मंदिर दान पात्र चोरी का कोई छोटा-मोटा मामला नहीं है बहुत बड़ा मामला है हिंदुओं और लोगों के अस्मिता को छूने वाला मामला है. मंदिर के दानपात्र में चोरी ये कोई पहली घटना नहीं है. जब से इसकी आधारशिला रखी गई है तब से इसमें चोरी हो रही है। योगेश प्रताप ने सवाल किया कि हमारी मां-बहनों और श्रद्धालु जिन्होंने अपने जेवरात दान किए उनका कोई हिसाब-किताब है या नहीं? समाजवादी पार्टी को इसकी कोई जानकारी नहीं थी। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसकी अपने स्तर से जांच पड़ताल करवाई उसके बाद उन्होंने यह बयान सार्वजनिक किया कि अयोध्या राम मंदिर दान पात्र चोरी हो रही है। सपा नता ने कहा कि मां वैष्णो देवी सहित कई मंदिरों में ट्रस्ट बने हैं लेकिन, वहां ऐसी घटनाएं नहीं हो रही हैं, सबसे बड़ी कमी अयोध्या राम मंदिर में ट्रस्ट की है कि वहां पर ट्रस्ट केवल आरएसएस के हवाले है, राम मंदिर ट्रस्ट में केवल आरएसएस के लोग हैं और अन्य किसी लोगों को शामिल नहीं किया गया है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

पहले लालू के लिए व्यवस्था हो तब खाली करेंगे बंगला: राबड़ी

» पूर्व सीएम ने बिहार सरकार को लिखी चिट्ठी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पूर्व सीएम राबड़ी देवी को आवंटित 10 सर्कुलर रोड आवास खाली करने की मियाद 15 जून को पूरी हो चुकी है। भवन निर्माण विभाग ने नोटिस दिया था। अभी तक आवास खाली नहीं हुआ है। इस बीच चर्चा है कि राबड़ी देवी ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर अपनी स्थिति बताई है। कहा यह भी जा रहा है कि एक सप्ताह पहले राबड़ी देवी के सचिव ने पत्र लिखकर कहा था कि कार्यकाल पूर्ण होने तक 10 सर्कुलर रोड आवास में ही रहने दिया जाए।

बताया जा रहा है कि अंदरखाने शिफ्टिंग की तैयारी पूरी हो चुकी है। किसी भी समय लालू परिवार 39 हार्डिंग रोड आवास में शिफ्ट हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, राबड़ी देवी ने अपने पत्र में राजद सुप्रीमो की सेहत की चर्चा की है।

बताया है कि उन्हें संक्रमण का खतरा है। इस कारण उन्हें परिवार के अन्य सदस्यों से अलग रहने की सलाह डॉक्टर ने दी है। इसको देखते हुए 10 सर्कुलर रोड आवास में उनके लिए विशेष व्यवस्था की गई है। उनका अलग कमरा है। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया है कि उन्हें आवंटित सरकारी आवास में उनके लिए विशेष व्यवस्था की जाए। सिंगापुर में किडनी ट्रांसप्लांट के बाद उन्हें सीढ़ियां चढ़ने से मना किया गया है। इसलिए पूर्व सीएम नीतीश कुमार ने ग्राउंड फ्लोर पर ही उनके लिए व्यवस्था कराई थी। जैसे ही सारी व्यवस्था हो जाएगी, उनका परिवार नए आवास में शिफ्ट हो जाएगा। बता दें कि 15 जून तक आवास खाली करने का नोटिस दिया गया था।

लालू प्रसाद की बड़ी बेटी मीसा भारती ने पिछले दिनों कहा था कि आवास को डेडलाइन से पहले खाली कर दिया जाएगा, हालांकि समय बीत चुका है चर्चा यह भी थी कि लालू परिवार कौटिल्य नगर स्थिति निजी आवास में शिफ्ट होगा। इसका निरीक्षण करने भी राबड़ी देवी पहुंची थीं।

कांग्रेस से निकले गुटों को एक साथ लाने की मांग

कांग्रेस के बढ़ने से बढ़ रहा क्षेत्रीय दलों का संकट

टीएमसी-एनसीपी-एसपी को कांग्रेस में विलय करने की चर्चा

» **भाजपा बोली**- उसको तो इसका मिलेगा लाभ

» शिवसेना यूबिटी नेता राउत ने छेड़ी बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जिस तरह से पिछले कई चुनावों से भाजपा हर जगह छा रही है उससे सबसे ज्यादा क्षेत्रीय पार्टियों को नुकसान हो रहा है। हालांकि इन चुनावों में कांग्रेस को लाभ होता दिख रहा है। ऐसे में क्षेत्रीय पार्टियों का कांग्रेस में विलय करने की चर्चा होने लगी है। खासतौर से उन पार्टियों के विलय की बाते ज्यादा हो रही हैं जो कांग्रेस से टूट कर बनी है। जैसे बंगाल में टीएमसी व महाराष्ट्र में एनसीपी। कांग्रेस व ममता बनर्जी में इंडिया गठबंधन की बैठक में बात हुई हैं।

हालांकि सूत्रों के अनुसार अभी ये सब चर्चाएं बेबुनियाद हैं। कांग्रेस के कुछ नेता कह रहें हैं कि ममता बनर्जी पार्टी में आएंगी तो लाभ ही मिलेगा। उधर महाराष्ट्र में भी शरद पवार की पार्टी का कांग्रेस में मिलन की सुगबुगाहट हो रही है। पर अभी कोई इस पर खुल कुछ नहीं बोल रहा है। इस बीच भाजपा ने जरूर कहा इन दोनों के मिलने भाजपा को फायदा होगा। उधर इन सब खबरों के बीच बंगाल में टीएमसी बिखरती चली जा रही है। उसे राज्यसभा से लकर लोकसभा तक के सदस्य ममता बनर्जी का साथ छोड़ रहे हैं। अब उसके 19 लोक सांसदों के पत्र लोक अध्यक्ष ओम बिरला को मिले हैं जो टीएमसी से अलग हो रह हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने राजनीतिक करियर के सबसे भीषण अंतर्विरोध और संकट के दौर से गुजर रही हैं। विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस का आंतरिक कलह अब पूरी तरह सड़क पर आ गया है। पार्टी के 28 लोकसभा सांसदों में से 19 सांसदों ने खुली बगावत कर दी है। इंडिया टुडे को बागी सांसदों के उस ग्रुप की सीक्रेट चिट्ठी की कॉपी मिली है, जो उन्होंने लोकसभा स्पीकर को सौंपी है। इन सांसदों ने खुद को असली तृणमूल कांग्रेस बताते हुए संसद में एक अलग गुट बनाने और पार्टी के चुनाव चिह्न पर दावा ठोकने का फैसला किया है। इस बगावत के बाद ममता बनर्जी के पाले में अब केवल 9 सांसद ही बचे हैं।

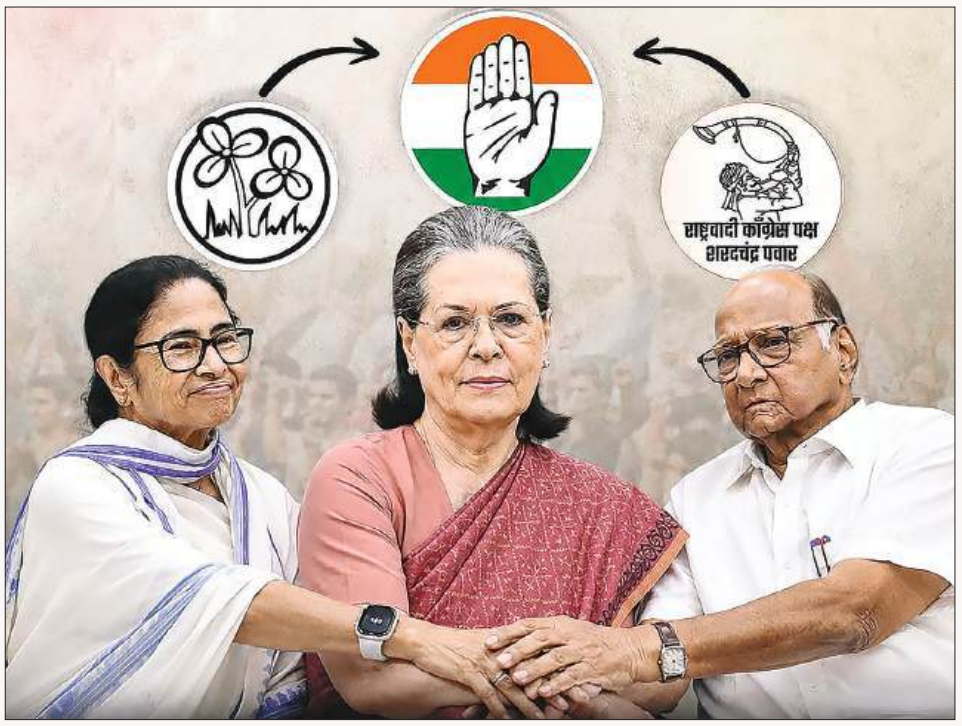

कानूनी लड़ाई के भी आसार

इस बगावत ने पार्टी पर नियंत्रण को लेकर एक लंबी कानूनी और राजनीतिक लड़ाई की संभावना भी पैदा कर दी है। उम्मीद है कि बागी गुट चुनाव आयोग के सामने **TMC** के चुनाव चिह्न पर अपना दावा पेश करेगा और तर्क देगा कि वही पार्टी की संसदीय ताकत के बहुमत का प्रतिनिधित्व करता है। चुनाव आयोग के किसी भी फैसले को हारने वाला पक्ष चुनौती दे सकता है, जिससे यह विवाद सुप्रीम कोर्ट तक पहुँच सकता है। बागी गुट से सार्वजनिक रूप से दूरी बनाने वालों में वरिष्ठ सांसद शत्रुघ्न सिन्हा भी शामिल हैं; उन्होंने ममता बनर्जी के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई और बागी गुट का समर्थन करने वाली किसी भी चिट्ठी पर हस्ताक्षर करने से इनकार किया। अभिषेक बनर्जी, सौगत राय, महुआ मोइत्रा, कल्याण बनर्जी, कीर्ति आजाद, प्रतिमा मंडल, साजिदा अहमद और सुदीप बंद्योपाध्याय के साथ-साथ वे भी उन सांसदों में शामिल हैं जो अभी बागी गुट से नहीं जुड़े हैं। टीएमसी के संसदीय विंग के औपचारिक रूप से बंटने की संभावना के बीच, अब सबकी नजरें स्पीकर के कार्यालय और चुनाव आयोग पर होंगी, जिनके फैसले भारत की सबसे प्रभावशाली क्षेत्रीय पार्टियों में से एक का भविष्य तय कर सकते हैं।

एनसीपी-कांग्रेस के विलय पर भाजपा को होगा फायदा : फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को शरद पवार के एनसीपी गुट और कांग्रेस के बीच संभावित विलय की अटकलों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा कोई कदम उठाया भी जाता है, तो उससे अंततः बीजेपी को ही फायदा होगा। एनसीपी-कांग्रेस विलय की बढ़ती चर्चाओं पर सवालों का जवाब देते हुए फडणवीस ने विपक्ष पर तीखा तंज कसा और कहा कि यह तो ऐसा मामला है जैसे कोई बिन बुलाया मेहमान किसी और की शादी को

लेकर जरूरत से ज्यादा उत्साहित हो रहा हो। उन्होंने आगे कहा कि भले ही राजनीतिक हलकों में संभावित विलय पर चर्चा होती रहे, लेकिन बीजेपी को चिंता की कोई खास वजह नहीं दिखती। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग विलय की बातें करते हैं और आप उस पर चर्चा करते हैं, लेकिन अगर ऐसा होता भी है, तो हमें और ज्यादा जगह मिलेगी। कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए फडणवीस ने इस पुरानी पार्टी को डूबता हुआ जहाज बताया। उन्होंने कहा कि कोई भी डूबते हुए जहाज पर सवार नहीं होता और कांग्रेस एक डूबता हुआ जहाज है, इसलिए हम बस इंतजार करो और देखो वाली नीति अपना रहे हैं।

टीएमसी ने भी खारिज की विलय की खबरें

तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों ने भी पार्टी के कांग्रेस में विलय की अटकलों को निराधार बताया है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि टीएमसी के कांग्रेस में विलय की कोई योजना नहीं है और इस तरह की खबरों का वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है।

टीएमसी के विलय की बातें बेबुनियाद : जयराम रमेश

कांग्रेस ने उन खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि सोनिया गांधी और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी की मुलाकात के दौरान टीएमसी के कांग्रेस में विलय पर चर्चा हुई। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि ऐसी खबरें पूरी तरह गलत और भ्रामक हैं। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि सोनिया गांधी और ममता बनर्जी के बीच हुई मुलाकात बेहद सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई थी। उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं के बीच लंबे समय से व्यक्तिगत संबंध हैं और मुलाकात के दौरान कई निजी विषयों पर चर्चा हुई।

दरअसल, टीएमसी में जारी अंदरूनी खींचतान और कुछ नेताओं की बगावत के बीच मंगलवार को ममता बनर्जी ने दिल्ली में सोनिया गांधी से मुलाकात की थी। इसके बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं शुरू हो गईं कि कांग्रेस नेतृत्व ने टीएमसी के कांग्रेस में विलय का प्रस्ताव रखा है।

18 मई की तारीख को लिखी चिट्ठी

18 मई की तारीख वाली इस चिट्ठी पर 19 लोकसभा सांसदों के हस्ताक्षर हैं। इन सांसदों ने एक अलग संसदीय गुट बनाने का समर्थन किया है और अब टीएमसी के चुनाव चिह्न पर अपना दावा ठोक रहे हैं। उनका कहना है कि वे ही असली तृणमूल कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस घटनाक्रम के बाद पार्टी के 28 लोकसभा सांसदों में से केवल नौ ही बागी गुट से बाहर बचे हैं, हालांकि कुछ सदस्यों की स्थिति अभी भी साफ नहीं है। हस्ताक्षर करने वालों में काकोली घोष दस्तीदार, शताब्दी रॉय, बापी हलदर, डॉ. शर्मिला सरकार, प्रसून बनर्जी, जगदीश बर्मा बसुनिया, असित कुमार मल, अरूप चक्रवर्ती, रचना बनर्जी, सायनी घोष, खलीलुर्रहमान, अबू ताहिर खान, यूसुफ पठान, मिताली बाग, माला रॉय,कालीपदा सोरेन, दीपक अधिकारी, जून मालिया,पार्थ भौमिक शामिल हैं।

भविष्य में क्या होगा, यह तो वक्त ही बताएगा : सुले

एनसीपी की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि राउत ने एक अच्छा सुझाव दिया है और साथ ही यह भी कहा कि भविष्य में क्या होगा, यह तो वक्त ही बताएगा।

अलग संसदीय समूह के तौर पर काम करने के अपने इरादे स्पीकर को बताए

सूत्रों ने बताया कि बागी सांसदों ने स्पीकर को एक अलग संसदीय समूह के तौर पर काम करने के अपने इरादे के बारे में बता दिया है। बागी गुट का कहना है कि उनका **BJP** या **NDA** में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है, बल्कि वे स्वतंत्र रूप से काम करेंगे और पश्चिम बंगाल के हितों के लिए काम करेंगे। माना जा रहा है कि यह ग्रुप संसद में महिला आरक्षण बिल और परिसीमन बिल (डिलिमिटेशन बिल) को पास कराने की केंद्र सरकार की कोशिशों पर भी बारीकी से नजर रख रहा है। यह ताजा घटनाक्रम टीएमसी सांसदों के बीच बढ़ती नाराजगी की खबरों के कुछ दिनों बाद सामने आया है। कई नेताओं ने पार्टी के कामकाज और राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के प्रभाव को लेकर असंतोष जाहिर किया है। संसद में हुई बगावत से पहले पश्चिम बंगाल विधानसभा में भी ऐसी ही अभूतपूर्व बगावत हुई थी, जहाँ बड़ी संख्या में विधायकों ने पार्टी के विधायक दल से अलग होकर **TMC** के 28 साल के इतिहास का सबसे बड़ा अंदरूनी संकट खड़ा कर दिया था। इस चिट्ठी का समय भी स्पीकर के फैसले में एक अहम भूमिका निभा सकता है। सूत्रों का कहना है कि बागी सांसदों की चिट्ठी पर 18 मई की तारीख है, जो वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी को 19 मई को लोकसभा में पार्टी का चीफ व्हिप नियुक्त किए जाने से एक दिन पहले की तारीख है। अब स्पीकर को यह तय करना होगा कि क्या बागी गुट को तकनीकी और प्रक्रियात्मक आधार पर मान्यता दी जा सकती है या नहीं।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने दिया था सुझाव

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के इस सुझाव के बाद कि भाजपा को कड़ी टक्कर देने के लिए कांग्रेस से अलग हुई पार्टियों को कांग्रेस के बैनर तले फिर से एकजुट हो जाना चाहिए, विपक्ष के नए सिरे से एकजुट होने की अटकलें तेज हो गई हैं। इसी बीच फडणवीस की ये टिप्पणियां आई हैं। संजय राउत की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि लेकिन यह व्यक्ति किसी और की शादी में अब्दुल्ला दीवाना की तरह है। जहां तक विलय की बात है, तो मैं बस इतना कहूंगा कि इन सभी क्षेत्रीय पार्टियों का नेतृत्व राजनीतिक रूप से समझदार है और वे डूबते हुए जहाज पर सवार नहीं होंगी, क्योंकि कांग्रेस एक डूबता हुआ जहाज है। अगर यह विलय होता भी है, तो

हमें कोई नुकसान नहीं होगा क्योंकि इससे हमें और अधिक राजनीतिक जगह मिलेगी। इससे पहले राउत ने कहा था कि महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तेलंगाना या आंध्र प्रदेश-जहां भी जिन नेताओं ने कांग्रेस पार्टी छोड़कर अपनी अलग पार्टियां बनाई हैं, उन्हें कांग्रेस में वापस आ जाना चाहिए और कांग्रेस के झंडे तले नई शुरुआत करनी चाहिए। इन बयानों से एक नई राजनीतिक बहस छिड़ गई है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

अमेरिका की कारगुजारियों से सर्तक रहे भारत सरकार

> ट्रंप ने जिस तरह का व्यवहार भारत के साथ किया है वह निंदनीय है। पर उससे भी बड़ी आलोचना तो अपने देश की सरकार की होनी चाहिए जिसने उसकी नीतियों में अपने लाभ देखे जबकि उसकी नीति भारत के लिए कतई गलत हैं। हालांकि समय-समय पर भारत ने अमेरिका का कुछ मामलों में विरोध जरूर किया पर वह काफी सीमित रहा।

जिस तरह से अमेरिकी हमलों में भारतीय लोग मारे जा रहे है। वह काफी दुखद है। हालांकि ईरान ने दुख प्रकट किया। भारत सरकार भी नजर रख रही है पर पुरजोर विरोध करना जरूरी है। अभी हाल में ट्रंप ने जिस तरह का व्यवहार भारत के साथ किया है वह निंदनीय है। पर उससे भी बड़ी आलोचना तो अपने देश की सरकार की होनी चाहिए जिसने उसकी नीतियों में अपने लाभ देखे जबकि उसकी नीति भारत के लिए कतई गलत हैं। हालांकि समय-समय पर भारत ने अमेरिका का कुछ मामलों में विरोध जरूर किया पर वह काफी सीमित रहा। अभी हाल में ऑक्सफैम की जारी एक रिपोर्ट ने दुनिया के अति-धनी वर्ग की ओर से टैक्स हैवन देशों में छिपाकर रखी गई बेहिसाब संपत्ति की ओर ध्यान आकर्षित किया है। रिपोर्ट में सरकारों से कर प्रणालियों को मजबूत करने, वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने और ग्लोबल एसेट रजिस्टर बनाने का आह्वान किया गया है, ताकि सबसे अमीर व्यक्तियों की संपत्तियों को पहचान कर उन पर उच्च दर से कर लगाया जा सके।

ब्रिटेन की इस संस्था के अनुसार, दुनिया के शीर्ष 0.1 प्रतिशत अमीरों की ओर से विदेशों में छिपाकर रखी गई अघोषित संपत्ति, सबसे गरीब आधी आबादी यानी लगभग 4.1 अरब लोगों की कुल संपत्ति से भी अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, पनामा पेपर्स लीक के दस साल बाद भी अति-धनी वर्ग कर चोरी के लिए विदेशी प्रणालियों का दुरुपयोग कर रहा है। वर्ष 2024 में इस छिपाई गई दौलत का अनुमान 3.5 ट्रिलियन डॉलर लगाया गया है, जो फ्रांस की जीडीपी से भी अधिक और दुनिया के 44 सबसे कम विकसित देशों की संयुक्त जीडीपी के दोगुने से ज्यादा और भारत की जीडीपी का लगभग 85 प्रतिशत है। आंकड़ों की यह भयावह तस्वीर बताती है कि कैसे मुट्ठी भर अमीर अपार शक्ति और नियंत्रण का उपयोग कर रहे हैं। धन का यह अभूतपूर्व संकेंद्रण न केवल असमानता को जन्म देता है, बल्कि समाज को भी छिन्न-भिन्न कर रहा है। ऑक्सफैम की यह रिपोर्ट वैश्विक चेतना को झकझोरने वाली है और भारत के लिए इसके विशेष मायने हैं, जहां हाल के वर्षों में एक नया अति-धनी वर्ग पैदा हुआ है। जब देश दुनिया की चौथी से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब इस तरह की चेतावनियों को नजरअंदाज किया जाना विडंबनापूर्ण होगा। अमरीकी आख्यानों का अनुसरण करना और शेयरधारक पूंजीवाद की नकल करना भारतीय लोकाचार और वसुधैव कुटुंबकम के मूल्यों के अनुरूप नहीं है। इससे उसी तरह संसाधनों की लूट बढ़ेगी और वही विसंगतियां पैदा होंगी, जो आज अमरीका में दिख रही हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मानवता ने चुकाई महत्वाकांक्षी युद्धों की कीमत

सुरेश सेठ

पिछले तीन वर्षों से अधिक समय से विश्व अलग-अलग क्षेत्रों में युद्ध की विभीषिका झेल रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते दोनों देशों की संपत्ति और विश्व आपूर्ति श्रृंखला को नुकसान हुआ। दुनिया की अर्थव्यवस्था लड़खड़ाई और श्रम शक्ति का विस्थापन हुआ। लेकिन लड़ाई समाप्त होने का नाम नहीं ले रही। पश्चिमी एशिया में अमेरिका, इस्त्राइल और ईरान के बीच जारी तनाव और अस्थिर संघर्ष, भले ही टलने की स्थिति में दिखे, लेकिन यह मानवता के लिए गंभीर क्षति पहुंचा रहा है। साथ ही चीन-ताइवान तनाव से एक और वैश्विक युद्ध का खतरा बढ़ता दिखता है। यदि यह संघर्ष भारत की सीमाओं तक पहुंचा, तो न केवल विश्व अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी, बल्कि भारत भी तमाम आर्थिक चुनौतियों का सामना कर सकता है।

अमेरिका-ईरान युद्ध से यूं तो पूरी दुनिया प्रभावित है, लेकिन विकासशील अर्थव्यवस्थाएं गहरे तक प्रभावित हो रही हैं। यह युद्ध 28 फरवरी को अमेरिका द्वारा खाड़ी स्थित ईरान को परमाणु शक्ति बनने से रोकने और संवर्धित यूरेनियम पर कब्जा करने के कथित लक्ष्य के साथ शुरू हुआ। वास्तव में इस्त्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का युद्ध में कूदने का उद्देश्य अपनी राजनीतिक सुरक्षा था। अमेरिका ने अपनी शक्ति पर गुमान करते हुए युद्ध छेड़ा, लेकिन इसके परिणामस्वरूप संघर्ष की विभीषिका से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था चरमरा गई। इस संघर्ष का परिणाम यह हुआ कि अमेरिका-ईरान युद्ध में 14 देश प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हो गए, क्योंकि खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य अड्डे स्थित थे। ईरान ने मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। दो महीने बाद शांति वार्ता शुरू हुई, लेकिन दोनों पक्ष बातचीत के लिए तैयार नहीं थे। अमेरिका संवर्धित यूरेनियम पर कब्जा और होर्मुज मार्ग खुलवाना चाहता है, जबकि ईरान के फ्रीज खातों को खोलने और प्रतिबंध हटाने पर सहमति नहीं दे रहा था। दूसरी ओर, ईरान ने होर्मुज के मुहाने पर नाकाबंदी कर दी है, जिससे तेल और गैस के टैंकर अटक गए हैं। अमेरिका भी ओमान की खाड़ी में नाकाबंदी कर रहा है।

इससे दुनिया भर में कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और उनसे बनने वाले उत्पादों की आपूर्ति का संकट पैदा हुआ है, जिससे तमाम देशों में महंगाई और ऊर्जा संकट उत्पन्न हो गया है। आर्थिक विश्लेषक कहते हैं कि इस युद्ध के कारण दुनिया को इस समय तक अनुमानित 474 लाख करोड़ रुपये तक का नुकसान

हो चुका है। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन चेताता है कि अगर यूं ही ऊर्जा आपूर्ति बाधित रही तो पूरी दुनिया की जीडीपी घट जाएगी और रोजगार के अवसर समाप्त हो जाएंगे। ईरान की परमाणु शक्ति, होर्मुज मार्ग, फ्रीज की गई संपत्तियां और लेबनान में हिज्बुल्लाह से जुड़े मुद्दे शांति स्थापना में प्रमुख बाधाएं हैं। यद्यपि अमेरिका और ईरान ने युद्धविराम बढ़ाया था, फिर भी परमाणु कार्यक्रम और फ्रीज फंडों को लेकर दोनों के मतभेद लंबे समय तक बने रहे। इन विवादों के कारण संघर्ष पूरी तरह समाप्त नहीं हो पा रहा था। विश्व की शक्तियों को समझना चाहिए कि युद्ध को लंबे समय तक नहीं चलाया जा सकता। अमेरिकी संसद बार-बार कहती रही है कि यह युद्ध तुरंत बंद होना चाहिए लेकिन ट्रम्प अपनी विजेता की छवि बनाकर ही इस युद्ध से निकलना चाह रहे थे, जो तत्काल संभव नजर नहीं आता था। ईरान ने अमेरिका जैसी महाशक्ति और इस्त्राइल की एकजुटता से मुश्किल लड़ाई लड़ी है, लेकिन अमेरिका का लगातार प्रतिरोध किया है। किसी भी समाधान के लिए दोनों पक्षों को लचीलापन दिखाना चाहिए, ताकि युद्ध की विभीषिका खत्म हो। तभी विश्व की आपूर्ति श्रृंखला को सामान्य बनाया जा सकता है। यह भी हकीकत है कि पाकिस्तान और कतर के बैक-चैनल प्रयास तक अमेरिका-ईरान टकराव का समाधान समय रहते खत्म कर पाये। जिससे काफी समय तक सीमित युद्ध और होर्मुज नाकाबंदी जारी रही। जिसके कारण दुनिया आर्थिक संकट, महंगे ईंधन और ऊर्जा की कमी जैसी समस्याओं का सामना करती रही। परिणामस्वरूप, वैश्विक स्तर पर आर्थिक अस्थिरता बढ़ती रही।

वहीं दूसरी ओर आशंका जतायी जा रही है कि इस्त्राइल-हिज्बुल्लाह की झड़पें लेबनान में बड़े युद्ध का रूप ले सकती हैं। जिसका ईरान लगातार विरोध करता रहा है। यह मुद्दा भी समझौते होने में बाधक बना रहा है। युद्ध के चलते स्थिति इतनी गंभीर है कि 14 देशों का एयरस्पेस बंद हो गया है, हजारों उड़ानें रद्द या डाइवर्ट हुई हैं, और ईंधन की कीमतें 130 प्रतिशत बढ़ गई हैं। खाड़ी और भारत के यात्रा रूट पर टिकटों की कीमतें भी अप्रत्याशित रूप से बढ़ी हैं। आर्थिक संकट आम आदमी की जीवनशैली पर भारी पड़ रहा है और विकास के लक्ष्य बेअसर हो रहे हैं। इस बीच, हथियार व्यापार और युद्धरत देशों की राजनीति मानवता और शांति के मूल्यों को भूलती नजर आ रही है। इस समय शांति और अहिंसा के संदेश कोरे भाषण लगने लगे हैं।

सोलर मैन के अभियान से जुड़ी समाधान की उम्मीदें

डॉ. प्रदीप कुमार राय

गर्मी तपा रही है, झुलसा रही है। ऐसा क्या धरती में आग लगी है। इस असहनीय तपिश में लोग ये चर्चा करते सुने जाते हैं। प्रो. चेतन सोलंकी कहते हैं कि धरती को बुखार आया है। और धरती का यह बुखार अगर न उतरा, तो हम सब भी नहीं बचेंगे। यह ज्वर उतारने के लिए हर व्यक्ति को एक दवा का काम करना होगा। कौन है प्रो. सोलंकी? वही योगी जिन्होंने जलवायु संकट समाधान पर काम करने के लिए आईआईटी की नौकरी छोड़ दी और 11 साल के लिए घर छोड़ दिया। सफेद धोती व कमीज पहनकर वे मैदान में जुट चुके हैं, पूरे भारत को समाधान की शिक्षा दे रहे हैं। जब दुनिया जलवायु संकट को लेकर सम्मेलनों, घोषणाओं और वादों में उलझी हुई है, तब भारत में क्लाइमेट सत्याग्रही प्रो. सोलंकी इसे सम्मेलनों से बाहर निकालकर लोगों के बीच ले आया है।

उन्होंने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई को केवल विचार या शोध का विषय नहीं रहने दिया; बल्कि जीवन-व्रत बना लिया। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित शोधकर्ता का सम्मान पाकर 'सोलर मैन' कहलाए सोलंकी ने कहा कि पृथ्वी को बचाने के लिए उनका रिसर्च का योगदान काफी नहीं बल्कि लोगों के बीच जाना होगा। इस निर्णय के साथ आईआईटी मुम्बई की शानदार नौकरी से इस्तीफा ही नहीं दिया बल्कि 11 साल तक घर छोड़कर करोड़ों लोगों को जलवायु संकट समाधान का हिस्सा बनाने सड़कों पर निकल चुके हैं। प्रो. सोलंकी के इस कदम ने भारत में जलवायु संकट समाधान की कई उम्मीदें जगाई हैं। 2020 से संचालित उनकी ऊर्जा स्वराज यात्रा इस सिद्धांत पर केंद्रित है कि सीमित धरती पर असीमित उपभोग कतई संभव नहीं। इसका समाधान तब निकलेगा जब लोग अतिशय उपभोग की लालसा से बाहर आएं। चेतन सोलंकी का जन्म साल 1975 में मध्यप्रदेश के गांव नेमित में हुआ। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी की। किसी ने सोचा न था कि ये प्रतिभा यूरोप की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी से पीएचडी करेगी।

वे आईआईटी मुंबई में प्रोफेसर बने और सौर ऊर्जा पर महत्वपूर्ण शोध के कारण 'सोलर मैन' कहलाए। जलवायु संकट की गंभीरता को देखते हुए साल 2020 में उन्होंने आईआईटी से अवकाश लेकर घर छोड़ दिया और 'एनर्जी स्वराज यात्रा' शुरू की। सोलर ऊर्जा से युक्त एक बस उन्होंने तैयार की। उसमें ही वे देश के अलग-अलग हिस्सों में जाते हैं। रहना, नहाना और खाना भी इसी में होता है। हर चीज का कम से कम खर्च। कुछ बरस देश में यात्राएं कर उन्हें लगा कि अब उन्हें आईआईटी की नौकरी भी छोड़ देनी चाहिए और उस फैसले को तुरंत अमली जामा पहनाकर शिद्दत से इस अभियान में जुट गए। उन्होंने बीती 13 मई को दिल्ली के राजघाट से 'क्लाइमेट सत्याग्रह' शुरू किया जो 100 दिन देश के विभिन्न हिस्सों में चलेगा। वे जगह-जगह जाकर लोगों को प्रशिक्षण देते हैं। उनकी क्लास अब आईआईटी से बाहर निकल जनसाधारण के बीच आ गई है। प्रो. सोलंकी के मुताबिक, जलवायु संकट के कारणों और समाधान दोनों की जिम्मेदारी हर व्यक्ति को लेनी चाहिए। पर्यावरण बचाने के लिए हमें अपनी उपभोग की आदतें बदलनी होंगी, जैसे अनावश्यक खरीदारी व ज्यादा यात्रा की लालसा छोड़नी होगी। यह अभियान पारंपरिक पर्यावरण आंदोलनों से अलग है, क्योंकि इसमें पेड़ लगाना या विरोध प्रदर्शन से ज्यादा ध्यान जीवनशैली में बदलाव पर है।

अभियान का केंद्रीय बिंदु है कि अगर लोगों ने अनावश्यक उपभोग पर काबू पा लिया, तभी पृथ्वी के बचने का रास्ता निकलेगा। 'सोलर मैन' हर रोज लोगों को शपथ दिलाते हैं कि अगले एक साल तक नये कपड़े नहीं खरीदेंगे। शपथ लेने वाले बड़ी संख्या में आगे आ रहे हैं, पर सवाल भी करते हैं कि अगर लोगों ने खरीदारी कम की तो अर्थव्यवस्था का क्या होगा? सौलंकी जवाब देते हैं कि जब पृथ्वी के अस्तित्व पर ही संकट आ जाएगा, लोगों के जीवन की क्वालिटी ही न रहेगी, फिर क्या अकेली अर्थव्यवस्था बच जाएगी। वो लोगों को मॉडल समझाते हैं कि संसार उपभोग के शिखर पर जा बैठा, अगर इसे कुछ कम किया तो कोई दिक्कत नहीं आएगी। अति उत्पादन और अति उपभोग का मॉडल ज्यादा दिन चलने वाला नहीं। पृथ्वी ने सहने से हाथ ही खड़े कर दिए, फिर क्या दूसरी पृथ्वी का निर्माण करोगे? साइंस और मनुष्य की आकांक्षाएं बढ़ सकती हैं, पर पृथ्वी नहीं बढ़ेगी। उन्होंने एक व्यंग्यात्मक वीडियो जारी किया है-'बेचारे पेड़'।

जिसका संदेश है कि हम मनुष्य पर्यावरण पर पूरा अनाचार करेंगे और उसके बाद उम्मीद रखेंगे कि हमें पेड़ बचाएंगे। ऐसा संभव नहीं। अपने सभी तर्कों को प्रो. सोलंकी ने अपनी किताब 'क्लाइमेट चेंज 2100 सरवाइव ऑर थ्राइव' में एक लड़ी में पिरोकर लोगों के सामने रख दिया है। उनकी पुस्तक में जिक्र है- लोग उनसे अकसर पूछते हैं कि जलवायु आपदा पर काम करने की प्रेरणा उन्हें कहां से मिली-इस पर उनका जवाब होता है कि जब शेर सामने नजर आ जाए तो भागने के लिए किसी से प्रेरणा लेनी होती है क्या? मनुष्य स्वाभाविक ही भाग लेता है। उल्लेखनीय है, प्रोफेशनल वॉलन्टियर्स की एक टीम उनके लिए काम कर रही है जो विभिन्न राज्यों में लोगों को सीमित उपभोग की शपथ दिला रही है। दरअसल, सोलर मैन के प्रयासों से देश में क्लाइमेट सत्याग्रह नई चेतना पैदा करेगा। जबकि इसके ठोस परिणाम लोगों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर होंगे। यदि व्यापक जनभागीदारी हो गई, तो शायद भारत ही नहीं अन्य देशों में मनुष्य जाति समझ पाए कि हम अतिशय उपभोग के बोझ तले दबे हैं।

पैराग्लाइडिंग के शौकीन इन 6 जगहों पर जाएं

अगर आप आसमान में उड़ने का सपना देखते हैं और रोमांच आपकी रगों में दौड़ता है, तो पैराग्लाइडिंग आपके लिए परफेक्ट एडवेंचर स्पोर्ट है। भारत में पहाड़, घाटियां, समुद्र तट और खूबसूरत मौसम, ये सब मिलकर पैराग्लाइडिंग को एक यादगार अनुभव बना देते हैं। भारत के कई ऐसे शानदार डेस्टिनेशन हैं जहां से आप पक्षियों की तरह उड़ते हुए प्रकृति की खूबसूरती को नजदीक से देख सकते हैं। इसलिए हमेशा सर्टिफाइड इंस्ट्रक्टर के साथ उड़ान भरें। मौसम की जानकारी जरूर लें। सेफ्टी गियर पहनना अनिवार्य है। पहली बार के लिए टैंडम फ्लाइट चुनें।

पावना, महाराष्ट्र

मुंबई और पुणे के पास स्थित पावना लेक पैराग्लाइडिंग के लिए मशहूर है। वीकेंड ट्रिप के लिए यह जगह परफेक्ट है। यहां घूमने का बेस्ट टाइम नवंबर से फरवरी है।

मनाली और कोडाइकनाल

मनाली एडवेंचर लवर्स की पसंदीदा जगह है। सोलंग वैली में पैराग्लाइडिंग करते हुए बर्फ से ढके पहाड़ और देवदार के जंगल बेहद शानदार नज़ारा देते हैं। यहां घूमने का बेस्ट टाइम मार्च से जून है। वहीं दक्षिण भारत में पैराग्लाइडिंग के लिए कोडाइकनाल एक शानदार विकल्प है। हरियाली, घाटियां और ठंडी हवा उड़ान को खास बना देती है। यहां घूमने का बेस्ट टाइम जनवरी से मई है।

बीर-बिलिंग और गोवा

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में स्थित बीर-बिलिंग को भारत की पैराग्लाइडिंग राजधानी कहा जाता है। बीर-बिलिंग को दुनिया के टॉप पैराग्लाइडिंग स्पॉट्स में गिना जाता है। यहां से उड़ान भरते समय हिमालय की वादियां, हरे-भरे जंगल और साफ आसमान दिल जीत लेते हैं। यहां जाने का बेस्ट समय अक्टूबर से जून हैं। अगर आप पहाड़ों से हटकर कुछ अलग चाहते हैं, तो गोवा में समुद्र के ऊपर पैराग्लाइडिंग एक यूनिक एक्सपीरियंस है। नीला समंदर और सुनहरे बीच नजरों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। यहां घूमने का बेस्ट टाइम अक्टूबर से मार्च है।

नैनीताल, उत्तराखंड

नैनीताल जिस तरह अपनी खूबसूरती के लिए प्रसिद्ध है, ठीक उसी तरह पैराग्लाइडिंग के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां पैराग्लाइडिंग का लुत्फ उठाने देशी और विदेशी पर्यटक भी पहुंचते हैं। झीलों के शहर नैनीताल में पैराग्लाइडिंग का अनुभव बेहद सुकून और रोमांच से भरा होता है। यहां से नैनी झील और आसपास की पहाड़ियां बेहद खूबसूरत दिखती हैं। यहां घूमने का बेस्ट टाइम अप्रैल से जून है। इसके अलावा उत्तराखंड के सबसे खूबसूरत आयर हिल स्टेशन है।

हंसना मना है

बुढ़िया (डॉक्टर से)- दांत निकाल दीजिए। डॉक्टर-मुंह खोलो। बुढ़िया-लो खोल दिया। डॉक्टर-थोड़ा और खोलो। बुढ़िया ने छोटा मुंह और खोल दिया। डॉक्टर-थोड़ा और खोलो। बुढ़िया ने सारा मुंह ऊपर किया। डॉक्टर-थोड़ा और खोलो। बुढ़िया (क्रोध में)-क्या मुंह में बैठकर ही दांत निकालने का विचार है?

एक पार्टी में एक सज्जन ने नजदीक खड़े इंसान से कहा-औरत भी अजीब वस्तु है। कुछ देर पहले तक वह सामने वाली स्त्री मुझे देख मुस्करा रही थी एवं अब ऐसे घूर रही है, जैसे कच्चा ही चबा जाएगी। जी हां, मेरी पत्नी का मूड इसी तरह बदलता रहता है। नजदीक खड़े इंसान ने उत्तर दिया।

संजय-हाल ही में पैदा हुआ तुम्हारा भाई इतना रोता क्यों है? अजय-बात ये है कि यदि तुम्हारे एक भी दांत न हो, सिर गंजा हो, पैर इतने दुर्बल हों कि आप खड़े भी न हो सको। ऐसी हालत में मेरा ख्याल है कि तुम्हें भी रोना आएगा।

बैंक मैनेजर-तो आखिर आपने बीवी को तलाक दे दिया। अकाउन्ट होल्डर-आपको कैसे पता चला? मैनेजर-आपके अकाउंट में रकम बढ़ती जा रही है।

कहानी | मृत्यु टाले नहीं टलती

भगवान विष्णु गरुड़ पर बैठ कर कैलाश पर्वत पर गए। द्वार पर गरुड़ को छोड़ कर खुद शिव से मिलने अंदर चले गए। तो कैलाश की अपूर्व प्राकृतिक शोभा को देखकर गरुड़ मंत्रमुग्ध हो गये। तभी उनकी नजर एक खूबसूरत छोटी सी चिड़िया पर पड़ी। चिड़िया कुछ इतनी सुंदर थी कि गरुड़ के सारे विचार उसकी तरफ आकर्षित होने लगे। उसी समय कैलाश पर यम देव पधारे और अंदर जाने से पहले उन्होंने उस छोटे से पक्षी को आश्चर्य की द्रष्टि से देखा। गरुड़ समझ गए उस चिड़िया का अंत निकट है और यमदेव कैलाश से निकलते ही उसे अपने साथ यमलोक ले जाएंगे। गरूड़ को दया आ गई। इतनी छोटी और सुंदर चिड़िया को मरता हुआ वह नहीं देख सकते थे। वह उसे अपने पंजों में दबाया और कैलाश से हजारों कोश दूर एक जंगल में एक चट्टान के ऊपर छोड़ दिया, और खुद वापिस कैलाश पर आ गए। फिर जब यम बाहर आए तो गरुड़ ने पूछ ही लिया कि उन्होंने उस चिड़िया को इतनी आश्चर्य भरी नजर से क्यों देखा था। यम देव बोले- गरुड़ जब मैंने उस चिड़िया को देखा तो मुझे ज्ञात हुआ कि वो चिड़िया कुछ ही पल बाद यहां से हजारों कोस दूर एक नाग द्वारा खा ली जाएगी। मैं सोच रहा था कि वो इतनी जल्दी इतनी दूर कैसे जाएगी, पर अब जब वो यहां नहीं है तो निश्चित ही वो मर चुकी होगी। गरुड़ समझ गये मृत्यु टाले नहीं टलती चाहे कितनी भी चतुराई की जाए।

इसलिए श्रीकृष्ण कहते है... करता तू वह है, जो तू चाहता है, परन्तु होता वह है, जो मैं चाहता हूं, कर तू वह, जो मैं चाहता हूं फिर होगा वो, जो तू चाहेगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

रोजगार में वृद्धि होगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। गर्व-अहंकार को दूर करें। मनोबल बढ़ने से तनाव कम होगा।

वृषभ

फालतू खर्च होगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यावसायिक योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं हो पाएगा।

मिथुन

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। जोखिम न लें। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय में अड़चनें आएंगी।

कर्क

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। नेत्र पीड़ा हो सकती है। अधिकारी वर्ग विशेष सहयोग नहीं करेंगे। ऋण लेना पड़ सकता है।

सिंह

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बचें। कार्य-व्यवसाय में लाभ होने की संभावना है।

कन्या

जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। मितव्ययिता को ध्यान में रखें। कुटुंबियों से संबंध सुधरेंगे।

तुला

भ्रम की स्थिति बन सकती है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य संबंधी समस्या हल हो सकेगी।

वृश्चिक

भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। अर्थ संबंधी कार्यों में सफलता से हर्ष होगा। व्यापार में इच्छित लाभ होगा।

धनु

स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। अच्छे लोगों से भेंट होगी जो आपके हितचिंतक रहेंगे।

मकर

व्यापार-व्यवसाय मध्यम रहेगा। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का माहौल बन सकता है। दुःखद समाचार मिल सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों में हस्तक्षेप से नुकसान की आशंका है।

कुम्भ

पुराना रोग उभर सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा का शुभ योग होने के साथ ही कठिन कार्य में भी सफलता मिल सकेगी।

मीन

पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। मन में उत्साह रहेगा, जिससे कार्य की गति बढ़ेगी। यात्रा आज नहीं करें।

हालीवुड | रिलीज डेट

जिंदगीभर की मेहनत ने मुझे फीफा वर्ल्डकप में परफार्म करने का मौका दिया : नोरा

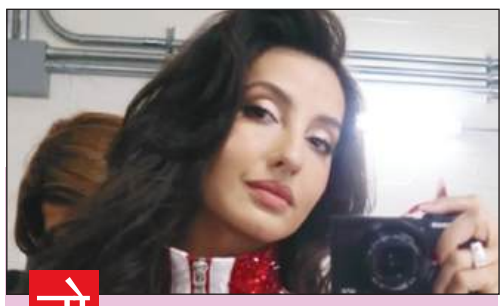

नोरा फतेही ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। उनका परफॉर्मेंस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। हर कोई इसकी तारीफ कर रहा है। हाल ही में उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस के बारे में बात की और शकीरा, बर्ना बॉय, केटी पेरी जैसे बड़े स्टार्स के साथ लाइन-अप का हिस्सा बनने पर भी चर्चा की। ओपनिंग सेरेमनी में अपने गाने सीर सीर पर परफॉर्म करने के बारे में बात करते हुए नोरा ने बताया, इस अनुभव ने निश्चित रूप से एक आर्टिस्ट के तौर पर मुझे बेहतर बनाया है। यह एक सफर बेहतरीन रहा। जब मैं जनवरी में मोरक्को में AFCON मैच देख रही थी, तो मैंने हर गेम के दौरान स्टेडियम में लगभग 70,000 फैंस को सीर सीर के नारे लगाते सुना और मैं हैरान रह गई। उस एनर्जी ने मुझे प्रोड्यूसर संजॉय से संपर्क करने और उनसे इस नारे का इस्तेमाल करके वर्ल्ड कप एंथम बनाने के लिए कहने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा, दूसरे इंटरनेशनल स्टार्स के साथ लाइन-अप में शामिल होने के बारे में बात करते हुए बॉलीवुड एक्ट्रेस ने कहा, इतने बड़े मेनस्ट्रीम लाइन-अप का हिस्सा बनना बहुत रोमांचक रहा है! मैं टोरंटो में ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया, जबकि शकीरा और बर्ना बॉय ने मैक्सिको में ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। मैंने इस लेवल तक पहुंचने और ऐसे स्टार्स के साथ मौके शेयर करने के लिए पूरी जिंदगी मेहनत की है। उन्होंने आगे कहा, ऐसे प्लेटफॉर्म का हिस्सा बनना जो अलग-अलग कल्चर और स्टाइल को एक साथ लाता है, मुझे याद दिलाता है कि ग्लोबल कनेक्शन बनाने में संगीत कितना ताकतवर हो सकता है। चाहे शकीरा हों, बर्ना बॉय हों या कोई भी आर्टिस्ट जिसका विजन क्रिएटिव रूप से मेल खाता हो वह अच्छा कर सकते हैं। मुझे लगता है कि जादू तब होता है जब अलग-अलग दुनियाएं एक साथ आती हैं और कुछ ऐसा बनाती हैं जिसकी उम्मीद न हो।

वेब सीरीज 'राख' को देखने के बाद परेशान हो उठे करण जौहर

वेब सीरीज राख का करण जौहर ने रिव्यू किया है। हाल ही में इसे देखने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक लंबा नोट लिखा है और बताया कि आखिरी एपिसोड देखने के बाद वे काफी ज्यादा परेशान हो गए। बता दें कि इस सीरीज में अली फजल और सोनाली बेंद्रे लीड रोल में हैं।

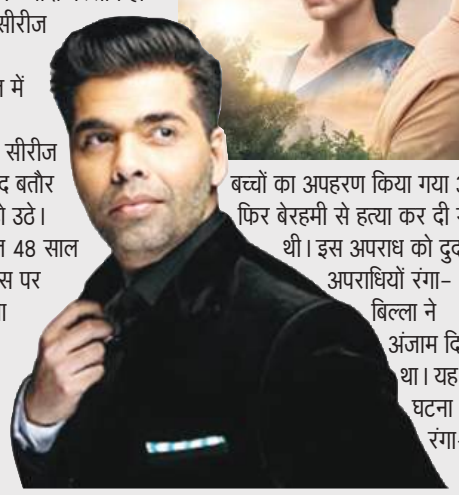

करण जौहर वेब सीरीज राख को देखने के बाद बतौर अभिभावक परेशान हो उठे। बता दें कि यह सीरीज 48 साल पुराने रंगा-बिल्ला केस पर आधारित है। एक ऐसा आपराधिक मामला, जिससे पूरे देश की रूह कांप उठी थी। दिल्ली में एक सेनाधिकारी के दो बच्चों का अपहरण किया गया और फिर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इस अपराध को दुर्दांत अपराधियों रंगा-बिल्ला ने अंजाम दिया था। यह घटना रंगा-बिल्ला केस के रूप में जानी जाती है।

करण जौहर ने पोस्ट साझा कर सीरीज के बारे में लिखा है, मैं इंस्टाग्राम से कुछ समय के लिए ब्रेक लेने की कोशिश कर रहा था। मुझे लगा कि मैं इसमें कामयाब हो गया हूं, लेकिन फिर मैंने यह दिल दहला देने वाली सीरीज देखी और मुझे अपनी बात कहने की जरूरत महसूस हुई। अभी रात के 1:35 बज रहे हैं और आखिरी एपिसोड देखने के बाद मैं बहुत परेशान हूं। एक माता-पिता, एक इंसान और समाज के एक सदस्य के तौर पर मैं परेशान हूं।

करण ने आगे लिखा है, सीरीज राख इंसानियत के सबसे बुरे पहलू को दिखाती है। किसी भी बचपन के ट्रॉमा या किसी और वजह से अपने अंदर के शैतान के आगे घुटने टेकना सही नहीं ठहराया जा सकता। मुझे नहीं पता कि मैं इस ट्रॉमा से इतनी जल्दी उबर पाऊंगा या नहीं, लेकिन मुझे प्रोसित रॉय की जबर्दस्त कहानी कहने की कला, कहानी पर उनकी मजबूत पकड़ और भावनाओं को बिना किसी हेर-फेर के दिखाने के तरीके की तारीफ करनी होगी। उनकी बेहतरीन कलाकारी वाकई काबिले-तारीफ है। करण जौहर आगे लिखते हैं, सोनाली बेंद्रे और आमिर बशीर की ऐसी परफॉर्मेंस मेरे दिमाग से नहीं निकल पा रही हैं। एक बहुत बड़ी त्रासदी का सामना कर रहे दुखी माता-पिता के तौर पर उनके अभिनय ने मुझे हैरान कर दिया। वे पूरी तरह से अपने किरदारों में ढल गए। उनके अभिनय को सलाम। इस दिल को छू लेने वाले शो को देखते हुए मैंने जो महसूस किया, उसे समझने के लिए आपको उनका अभिनय देखना होगा। वे कमाल के हैं।

अब हरियाणा में भी टैक्स फ्री हुई कंगना की फिल्म, भारत भाग्य विधाता

कंगना रनौत की नई रिलीज हुई फिल्म भारत भाग्य विधाता को आलोचकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। 12 जून को रिलीज हुई इस फिल्म को हरियाणा में टैक्स-फ्री घोषित कर दिया गया है। सबसे पहले इस फिल्म को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली में टैक्स फ्री करने का एलान किया था।

शनिवार को इस फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग हुई। इसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शामिल हुए। फिल्म देखने के बाद उन्होंने इसे पूरे राज्य में टैक्स फ्री कर दिया। 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों की पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म की तारीफ करते हुए उन्होंने इसे साहस, करुणा, कर्तव्य और इंसानियत की एक दमदार कहानी बताया। उनके मुताबिक यह फिल्म हर भारतीय के दिल को छू लेती है।

फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान सैनी के साथ उनकी पत्नी सुमन सैनी, उनके कुछ मंत्री और कंगना रनौत भी मौजूद थीं। यह फिल्म 26/11 के हमलों की रात मुंबई के कामा अस्पताल की घटना पर आधारित है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे बाहर मची अफरातफरी के बीच नर्स, वार्ड बॉय, सफाईकर्मी, लिफ्ट ऑपरेटर, सुरक्षा कर्मचारी और प्रशासनिक कर्मचारी डटे रहे।

सीएम सैनी ने कहा कि समाज अक्सर मशहूर नायकों की तारीफ करता है, लेकिन देश की असली ताकत उन डॉक्टरों, नर्सों, पुलिसकर्मियों, सुरक्षा बलों और समाज सेवकों में है, जो बिना किसी पहचान या तारीफ की चाहत के पूरी लगन से अपना काम करते हैं। उन्होंने कहा कि संकट के समय मानवता की रक्षा के लिए ये लोग ही सबसे पहले आगे आते हैं।

अजब-गजब | भारत का पेरिस कहलाता है ये शहर

यहां संस्कृति और कला का बसता है संसार

फ्रांस की राजधानी पेरिस को दुनिया के सबसे खूबसूरत शहरों में गिना जाता है। वहां की शानदार इमारतें, चौड़ी सड़कें और आकर्षक माहौल हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर खींचता है। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि भारत में भी एक ऐसा शहर है, जिसे उसकी खूबसूरती और बेहतरीन बसावट के कारण 'पेरिस ऑफ इंडिया' यानी 'भारत का पेरिस' कहा जाता है। दरअसल, हम जिस खास शहर की बात कर रहे हैं, वह है जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर अपनी शाही विरासत, भव्य महलों और ऐतिहासिक किलों के लिए दुनियाभर में मशहूर है। 'पिंक सिटी' के नाम से प्रसिद्ध यह शहर अपनी अनोखी पहचान और खूबसूरती के कारण भारत का पेरिस कहलाता है। आखिर जयपुर को यह खास पहचान क्यों मिली, आइए जानते हैं।

जयपुर सिर्फ एक ऐतिहासिक शहर नहीं, बल्कि भारत के सबसे पुराने प्लान्ड शहरों में से एक है। इसकी स्थापना आज से लगभग 300 साल पहले 1727 में महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय ने करवाई थी। शहर को इस तरह बसाया गया था कि यहां की सड़कें चौड़ी और व्यवस्थित हों। आज भी जयपुर की बसावट और सड़कें लोगों को प्रभावित करती हैं। यही वजह है कि इसकी तुलना अक्सर पेरिस से की जाती है।

जयपुर को 'पिंक सिटी' कहे जाने के पीछे भी एक खास कहानी है। साल 1876 में प्रिंस ऑफ वेल्स के स्वागत के लिए पूरे शहर को गुलाबी रंग से रंग दिया गया था। इसके बाद से ही यह रंग जयपुर की पहचान बन गया। आज भी पुराने शहर की ज्यादातर इमारतें गुलाबी रंग में नजर आती हैं, जो इसे बाकी शहरों से बिल्कुल ही अलग बनाती हैं। ये शहर अपनी ऐतिहासिक धरोहरों के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां का हवा महल, आमेर किला, सिटी पैलेस और जंतर-मंतर हर साल लाखों पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इन इमारतों की खूबसूरती और अनोखी बनावट लोगों को मंत्रमुग्ध कर देती है। यही कारण है कि जयपुर को भारत के सबसे आकर्षक पर्यटन स्थलों में भी गिना जाता है।

जिस तरह पेरिस को कला और फैशन की राजधानी माना जाता है, उसी तरह जयपुर भी भारत की कला और संस्कृति का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां की ब्लू पॉटरी, बंधेज की साड़ियां, कुंदन-मीनाकारी के गहने और हाथ से बने कपड़े देश-विदेश में काफी पसंद किए जाते हैं। सदियों से यह शहर कलाकारों और कारीगरों का घर रहा है। जयपुर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को देखते हुए साल 2019 में यूनेस्को ने इसके परकोटा क्षेत्र (वॉल्ड सिटी) को विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिया था।

बेहतरीन प्लानिंग, खूबसूरत इमारतें, गुलाबी रंग की अनोखी पहचान, ऐतिहासिक किले और समृद्ध संस्कृति जयपुर को देश के सबसे खास शहरों में शामिल करती हैं/ अपनी शाही विरासत और आकर्षक आर्किटेक्चर के कारण यह शहर देश-विदेश के पर्यटकों को खूब पसंद आता है। यही वजह है कि आज जयपुर को गर्व के साथ 'पेरिस ऑफ इंडिया' यानी 'भारत का पेरिस' कहा जाता है।

यहां लगता है सांपों का कुंभ मेला हर साल जमा हो जाते हैं लाखों सांप

अगर आप सोचते हैं कि सांप अकेले रहने वाले जीव हैं तो आपकी धारणा पूरी तरह गलत है। कनाडा के मनिटोबा प्रांत के ग्रामीण इलाके में हर साल वसंत ऋतु में सांपों का ऐसा भयानक मेला लगता है कि देखने वाले की रूह कांप जाती है। लाखों सांप एक साथ जमा होकर गुफाओं, गड्ढों और चट्टानों में रोमांस करते नजर आते हैं। यह दुनिया के सबसे अनोखे वाइल्डलाइफ फेनोमेना में से एक है। मनिटोबा के नार्सिस इलाके में स्थित सांपों की ये प्रसिद्ध डेंस (गुफाएं) हर साल अप्रैल-मई में सक्रिय हो जाती हैं। यहां रेड-साइडेड गार्टर स्नेक की लाखों संख्या में भीड़ जमा होती है। पूरे साल ये सांप बिखरे रहते हैं, लेकिन प्रजनन के मौसम में वे अपने-अपने ठिकानों से निकलकर एक जगह इकट्ठा हो जाते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार यह दुनिया का सबसे बड़ा सांपों का प्राकृतिक समागम माना जाता है। एक ही गड्ढे में हजारों सांप आपस में गांठें बनाकर मेटिंग करते दिखते हैं। नर सांप मादा सांप को घेर लेते हैं और एक-दूसरे पर चढ़कर मिलन की कोशिश करते हैं। इस दौरान पूरा क्षेत्र सांपों से पट जाता है। पर्यटक दूर से ही इस नजारे को देखने आते हैं। स्थानीय प्रशासन ने इस जगह को पर्यटन स्थल बना दिया है। यहां व्यूइंग प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं ताकि लोग सुरक्षित दूरी से सांपों को देख सकें। हर साल हजारों पर्यटक और वाइल्डलाइफ प्रेमी यहां पहुंचते हैं। कुछ लोग इसे सांपों का कुंभ मेला भी कहते हैं। सांपों की इस प्रजाति में मादा सांप कम संख्या में होती हैं। इसलिए नर सांप मादा को पाने के लिए आपस में होड़ करते हैं। कभी-कभी एक मादा सांप पर 100 से ज्यादा नर सांप चढ़े दिख जाते हैं। यह दृश्य बेहद डरावना और आकर्षक दोनों होता है। मनिटोबा का यह क्षेत्र सांपों के लिए आदर्श है क्योंकि यहां सर्दियों में गहरी गुफाएं उपलब्ध हैं जहां सांप हाइबरनेशन (सोहना) करते हैं। वसंत में जब तापमान बढ़ता है तो वे बाहर निकलते हैं, मेटिंग करते हैं और फिर अपने-अपने इलाकों में बिखर जाते हैं। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद लोग कमेंट्स में लिख रहे हैं-ये तो सांपों का स्वर्ग है, देखकर ही डर लग रहा है, प्रकृति कितनी अनोखी है। कुछ यूजर्स मजाक भी उड़ा रहे हैं कि सांपों को भी मेला लगाना आता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि गार्टर स्नेक जहरीले नहीं होते हैं। इनका काटना इंसानों के लिए खतरनाक नहीं है, लेकिन इतनी बड़ी संख्या देखकर किसी की भी हिम्मत जवाब दे सकती है। इन सांपों का रंग काला होता है और शरीर पर लाल या पीले धब्बे दिखते हैं, जिस वजह से उन्हें रेड-साइडेड गार्टर स्नेक कहा जाता है। कनाडा सरकार और स्थानीय वाइल्डलाइफ विभाग इस जगह की सुरक्षा और संरक्षण पर खास ध्यान देते हैं। यहां सांपों को परेशान करने या पकड़ने पर भारी जुर्माना लगाया जाता है।

विपक्ष के निशाने पर आया संघ, कांग्रेस और सीजेपी ने उठाए सवाल

» संवैधानिक लोकतंत्र में कोई भी निकाय जांच से ऊपर नहीं है : प्रियांक खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एकबार फिर आरएसएस पूरे देश विरोध होने लगा है। नई -नई बनी पार्टी सीजेपी से लेकर सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस ने उस पर हमला बोला है। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से संगठन की कानूनी स्थिति, पंजीकरण और फंडिंग स्रोतों की जानकारी मांगी है। खरगे ने तर्क दिया है कि संवैधानिक लोकतंत्र में कोई भी निकाय जांच से ऊपर नहीं है और आरएसएस जैसे बड़े संगठन से पारदर्शिता व जवाबदेही की उम्मीद की जाती है, जो उसकी राज्यव्यापी व्यापक उपस्थिति को देखते हुए आवश्यक है।

खरगे ने अपने पत्र में कहा कि संवैधानिक लोकतंत्र में कोई भी संगठन, चाहे वह कितना भी पुराना, बड़ा या प्रभावशाली क्यों न हो, जांच-पड़ताल से ऊपर नहीं हो सकता। सार्वजनिक जीवन में काम करने वाले हर नागरिक, संगठन, संस्थान और निकाय से कानून का पालन करने की उम्मीद की जाती है। खरगे ने लिखा कि इसी बड़े पैमाने, प्रभाव और पहुंच की वजह से संघ से पारदर्शिता, जवाबदेही और संवैधानिक नियमों के पालन के मामले में सबसे ऊंचे मानकों की उम्मीद की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि आरएसएस अपने अधिकृत पदाधिकारियों को भेजकर यह बताए कि इतने बड़े पैमाने का संगठन किन कानूनी आधारों पर बिना किसी पहचान के और लागू कानूनों के तहत कानूनी इकाई या व्यक्तियों के समूह के तौर पर औपचारिक रूप से रजिस्टर हुए बिना काम करता रहता है।

कर्नाटक के गृह मंत्री ने संघ प्रमुख को लिखा पत्र

आर्थिक मामलों और आय के स्रोतों की जानकारी देना जरूरी

कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को पत्र लिखकर संगठन से उसकी कानूनी स्थिति, रजिस्ट्रेशन, फंडिंग के स्रोतों और खर्चों जैसी जानकारी स्पष्ट करने को कहा। भागवत को लिखे दो पन्नों के पत्र में खड़गे ने बताया कि कर्नाटक में आरएसएस की बड़ी मौजूदगी है, राज्य भर में इसकी 60 हजार से ज्यादा शाखाएं और उससे जुड़ी गतिविधियां चल रही हैं। उन्होंने तर्क दिया कि इतना बड़ा संगठन कानूनी निगरानी से बाहर नहीं रह सकता। पत्र में कहा गया है कि भारत में, सरकारी सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए एक सफाई कर्मचारी का भी रजिस्टर होना ज़रूरी है। हर धार्मिक संस्थान और धार्मिक ट्रस्ट का ऑडिट होता है। चैरिटेबल संस्थाओं,एनजीओ, ट्रस्ट, सोसायटियों, कंपनियों और दूसरे संस्थानों के लिए अपने ढांचे, गतिविधियों, आर्थिक मामलों और आय के स्रोतों की जानकारी देना ज़रूरी है। यह मांग उस समय की पहली बड़ी कानूनी पहल है जब से खरगे ने पिछले साल सार्वजनिक रूप से बीजेपी की वैचारिक मूल संस्था (आरएसएस) के खिलाफ मोर्चा संभाला है।

मुझ पर हुए हमले के पीछे आरएसएस के लोग थे : अभिजीत

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने मंगलवार को आरोप लगाया है कि जयपुर में उन पर हुए हमले के पीछे आरएसएस के कुछ लोग शामिल थे। उन्होंने दावा किया कि यह हमला नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट पेपर लीक जैसे असली मुद्दों से ध्यान भटकाने और छात्रों की आवाज को दबाने की एक सोची-समझी कोशिश है। सीजेपी द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर संविधान चौक पर एक बड़े विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया है। इससे पहले जयपुर में सोमवार को एक विरोध प्रदर्शन के दौरान दो लोगों ने दीपके के साथ कथित तौर पर मारपीट की। यह पूछे जाने पर कि वह इस हमले के लिए किसे जिम्मेदार मानते हैं, दीपके ने आरोप लगाया, ''वहां आरएसएस के कुछ लोग थे और इसमें कोई नयी बात नहीं है।'' उन्होंने दावा किया कि जब भी कोई सरकार या उसकी विचारधारा के खिलाफ बोलता है तो इस तरह की घटनाएं होती हैं। आरएसएस से संबंध होने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात के दावों के बारे में पूछे जाने पर दीपके ने कहा, ''तो क्या इसीलिए उन्होंने कल मुझ पर हमला किया?'' उन्होंने दोहराया कि उन पर हमला असली मुद्दे से ध्यान भटकाने और छात्रों की आवाज दबाने का प्रयास था।दीपके ने कहा, ''हम अपने मुद्दों से नहीं भटकेंगे। जितना चाहो हम पर हमला कर लो। हम शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध जारी रखेंगे और अपने मुख्य मुद्दे से नहीं हटेंगे, जो एक करोड़ से अधिक छात्रों के साथ हो रहे अन्याय से जुड़ा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी।'' उन्होंने कहा, ''इस तरह के हमले होते रहेंगे, लेकिन मैं डरने वाला नहीं हूं। हम महात्मा गांधी और आंबेडकर के मार्ग पर चलते हैं। यह हमारा सत्याग्रह है और हम शांतिपूर्वक आगे बढ़ते रहेंगे।''

टाइम की 100 प्रभावशाली खेल हस्तियों में मंधाना शामिल

» इस सूची में वह अकेली भारतीय है जो 41वें नंबर पर हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

न्यूयॉर्क। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज और उपकप्तान स्मृति मंधाना को एक और बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि हासिल हुई है। टाइम मैगजीन ने उन्हें वर्ष 2026 की 100 सबसे प्रभावशाली खेल हस्तियों की सूची में शामिल किया है। इस सूची में जगह बनाने वाली वह इकलौती भारतीय हैं। वह 41वें नंबर पर हैं। टाइम ने खेल हस्तियों की लिस्ट को चार कैटेरगी में बांटा है। इनमें आइकन्स, टाइटंस, इनोवेटर्स और लीडर्स शामिल हैं। मंधाना को टाइटंस की लिस्ट में रखा गया है और वेबसाइट पर शुरू से गिनती करने पर उनका नाम 41वें नंबर पर आता है।

टाइम की यह सूची उन खिलाड़ियों, कोचों, निवेशकों और खेल जगत से जुड़े प्रभावशाली लोगों को सम्मानित करती है, जो मौजूदा दौर में खेलों की दिशा तय कर रहे हैं। इस बार सूची में अमेरिकी बास्केटबॉल दिग्गज लेब्रोन जेम्स, फुटबॉल सुपरस्टार लियोनल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो, टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज, गोल्फर रोरी मैक्लरॉय और फीफा अध्यक्ष जियानी इनफेंटिनो जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं। टाइम ने अपनी प्रोफाइल में स्मृति मंधाना की उपलब्धियों का खास जिक्र किया। मैगजीन ने लिखा कि मुंबई में जन्मी बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज भारतीय महिला क्रिकेट की सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक हैं और उनके नाम लगातार नए रिकॉर्ड जुड़ते जा रहे हैं। मंधाना घरेलू एकदिवसीय क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। इसके अलावा वह अंतरराष्ट्रीय क्रि केट के तीनों प्रारूपों, टेस्ट, वनडे और टी20 में शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला भी हैं। उनके नाम महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा 17 शतक दर्ज हैं।

भारत और अफगानिस्तान के बीच दूसरा वनडे कल

लखनऊ। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है। सीरीज का पहला मैच धर्मशाला में खेला गया, जिसे टीम इंडिया ने सात विकेट से जीता। अब भारत और अफगानिस्तान की टीमें लखनऊ में भिड़ेंगी। दूसरा वनडे मैच बुधवार, 17 जून को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। टीम इंडिया इस सीरीज में 1-0 से आगे है। अगर भारतीय टीम दूसरा वनडे भी जीत लेती है तो सीरीज जीत लेगी। वहीं अफगानिस्तान की नजरें उलटफेर कर सीरीज में बने रहने पर रहेंगी। भारत ने धर्मशाला में खेला गया पहला वनडे आसानी से जीत लिया था। फिर भी टीम इंडिया दूसरे वनडे में एक बदलाव के साथ उतर सकती है। दूसरे वनडे में प्रिंस यादव को डेब्यू का मौका मिल सकता है। प्रिंस आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते हैं। ऐसे में लखनऊ उनका होम ग्राउंड है।

एनडीए के लिए टीएमसी को तोड़ा : जयराम

» कांग्रेस नेता बोले- पार्टी को तोड़ने की साजिश अमित शाह ने रची

» बहुमत जुटाने की कोशिश के लिए रचा खेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस का कहना है कि एनडीए में लंबे समय से स्थापित और अनुभवी दलों तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) और जनता दल (जेडीयू) से भी बड़ी होकर दूसरा सबसे बड़ा दल बन सकती है। जयराम रमेश ने कहा कि वास्तव में इन दोनों दलों को ऐसी ओछी और घृणित राजनीतिक चालों के जरिए अपने महत्व को कम किए जाने का विरोध करना चाहिए।- कांग्रेस ने दावा किया है कि तृणमूल कांग्रेस को तोड़ने की साजिश गृह मंत्री अमित शाह ने रची है। इस कदम का मकसद किसी भी तरह से लोकसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाना है।

जयराम रमेश ने कहा कि तेलुगू देशम पार्टी और जनता दल को इस प्रयास का विरोध करना चाहिए, क्योंकि अब राजग में उनका महत्व कम हो जाएगा। जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि एक हताश केंद्रीय गृह मंत्री, जो सरदार पटेल के सुशोभित इस पद की गरिमा पर कलंक हैं, उन्होंने बेशर्मी की हदें पार करते हुए भारतीय लोकतंत्र को एक नए निम्न स्तर पर पहुंचा दिया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि गृहमंत्री ने टीएमसी के 20 सांसदों को अवैध रूप से अलग कराने और उनका विलय महज तीन साल पहले गठित, लगभग अज्ञात तथा कथित रूप से पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल 'नेशनलिस्ट सिटिजन पार्टी ऑफ इंडिया' में कराने की साजिश रची है।

बागी सांसदों ने अपनी इज्जत खो दी : सौगत राय

टीएमसी के सांसद सौगत रॉय ने उन 20 बागी टीएमसी सांसदों की आलोचना की, जिन्होंने एनसीपीआई में विलय की घोषणा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम दल-बदल विरोधी कानून से बचने के लिए उठाया गया है। 1985 में संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत 52वें संशोधन से लागू किए गए दल-बदल विरोधी कानून का मकसद राजनीतिक दल-बदल को रोकना है। यह कानून संसद और राज्य विधानसभाओं, दोनों पर लागू होता है। एएनआई से बात करते हुए, रॉय ने टीएमसी के अनजान होने का जिक्र किया और बताया कि इसे कोई औपचारिक मान्यता नहीं मिली है और चुनावी राजनीति में इसकी मौजूदगी न के बराबर है। उन्होंने कहा कि यह दुखद है। टीएमसी सांसद एक अनजान पार्टी में शामिल हो गए हैं। उन्होंने अपना सम्मान खो दिया है, मैं और क्या कह सकता हूँ?

खान सर के अंगरक्षकों को नहीं मिली जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। चर्चित शिक्षक फैजल खान उर्फ खान सर के दोनों अंगरक्षकों को आज भी कोर्ट से जमानत नहीं मिली है। आज कोर्ट ने पटना पुलिस को इस केस का पूरा अपडेट देने के लिए कहा और केस डायरी की मांग की है। अब 20 जून को इस मामले में अगली सुनवाई होगी। उसी दिन फैजल खान की अग्रिम जमानत पर भी सुनवाई होगी। फिलहाल कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है।

इधर, शिक्षक रौशन आनंद के सहयोगी अभिषेक की जमानत याचिका की अपील आज की जाएगी। इधर, एक दिन पहले फैजल खान ने रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की मौत को लेकर भावुक पोस्ट किया था। इसके बाद रौशन आनंद के आरोपों का भी जवाब दिया। कहा कि किसी तीसरे ने साजिश रचकर यह सब करवाया है।

पीएम मोदी इस्तीफा दें मैं भी तैयार : रेड्डी

» तेलंगाना के सीएम ने विधानसभा भंग करने की मांग पर किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना में बीजेपी की उस मांग के बाद राजनीतिक टकराव शुरू हो गया है, जिसमें कहा गया था कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को राज्य विधानसभा भंग कर देनी चाहिए और जनता से नया जनादेश लेना चाहिए। इस चुनौती का जवाब देते हुए रेड्डी ने कहा कि वह अपनी पूरी कैबिनेट के साथ इस्तीफा देने को तैयार हैं, लेकिन ऐसा तभी होगा जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले इस्तीफा दें और केंद्र सरकार को भंग कर दें।

रेड्डी ने कहा कि राजनीतिक बयान एकतरफा नहीं होते। अपनी सरकार की वैधता का बचाव करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस के पास स्पष्ट बहुमत है और सत्ता में बने रहने के लिए उसे दूसरी पार्टियों के समर्थन की ज़रूरत नहीं है। उन्होंने केंद्र में बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार का ज़िक्र करते हुए कहा कि वह गठबंधन सहयोगियों पर निर्भर है, इसलिए उसके पास उनसे इस्तीफ़ा मांगने का नैतिक अधिकार नहीं है। रेड्डी ने कहा कि इसके अलावा, मेरे पास बहुमत है और मैं किसी पर निर्भर नहीं हूँ। बीजेपी सरकार कई राजनीतिक पार्टियों पर निर्भर है। इसलिए, उनके पास स्पष्ट जनादेश नहीं है। उन्हें पहले इस्तीफ़ा देना होगा, उसके बाद ही वे मुझसे इस्तीफ़ा मांग सकते हैं।

सरकार ने युवाओं के सपनों को तोड़ा आवाज उठाना जरूरी : राहुल गांधी

» कांग्रेस नेता ने एकजुट होने की अपील की

» बोले नेता प्रतिपक्ष- 17 जून को कोटा में परीक्षा पेपर लीक और भर्ती प्रक्रिया में देरी के खिलाफ़ प्रदर्शन में आएं साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने युवाओं से अपनी आवाज उठाने की मांग की है। राहुल गांधी ने 17 जून को कोटा में परीक्षा पेपर लीक और भर्ती प्रक्रिया में देरी के खिलाफ़ युवाओं से एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने सरकार पर युवाओं के सपनों को तोड़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह सिस्टम की विफलता है, जिसके खिलाफ आवाज़ उठाना ज़रूरी है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को छात्रों और नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं से 17 जून को राजस्थान के कोटा में होने वाले छात्रों की गूंज विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की। विपक्ष के नेता ने सरकार पर आरोप लगाया कि बार-बार परीक्षा के पेपर लीक होने, परीक्षाएं रद्द होने और भर्ती प्रक्रिया में देरी के कारण सरकार भारत के युवाओं को निराश करने में विफल रही है। गांधी ने एक्स पर कहा कि आज के भारत में युवाओं को सपने देखने की हिम्मत करने के लिए सज़ा दी जा रही है और कड़ी मेहनत से अब सफलता की गारंटी नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि हर पेपर लीक, रद्द हुई परीक्षा और रुकी हुई भर्ती प्रक्रिया एक सिस्टम की विफलता है और यह लाखों छात्रों और नौकरी चाहने वालों के

युवाओं के भविष्य की लड़ाई लड़नी होगी

युवाओं में निराशा और गुस्से को समझते हुए गांधी ने कहा कि जब सरकार सुनने से इनकार कर दे, तो लोगों को अपनी आवाज़ और ज़ोर से उठानी चाहिए। उन्होंने छात्रों से कोटा में एकजुट होने और अपनी चिंताओं को ऐसा बनाने के लिए कहा जिन्हें नज़रअंदाज़ करना नामुमकिन हो। गांधी ने इस अभियान को भारत के युवाओं के भविष्य की लड़ाई बताते हुए कहा कि आइए हम सब मिलकर एक ऐसी दहाड़ बनें जिसे नज़रअंदाज़ न किया जा सके। कोटा से शुरू होकर, यह देश के हर कोने तक पहुँचे।

निष्पक्ष अवसरों और रोज़गार के लिए छात्रों के संघर्ष में उनके साथ खड़ा हूं

कांग्रेस ने परीक्षा में गड़बड़ी, पेपर लीक और सरकारी भर्ती में देरी जैसे मुद्दों को एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश की है और छात्रों तथा नौकरी के उम्मीदवारों से जुड़ी चिंताओं को लेकर केंद्र सरकार को घेरा है। गांधी ने कहा कि वे निष्पक्ष अवसरों और रोज़गार के लिए छात्रों के संघर्ष में उनके साथ खड़े हैं। 17 जून का कार्यक्रम कोटा के दशहरा मैदान स्थित श्री राम रंगमंच पर आयोजित किया जाएगा। यह शिक्षा बचाओ, अपना भविष्य बचाओ अभियान के तहत देशव्यापी आउटरीच कार्यक्रम का पहला पड़ाव होगा।

टीएमसी बागियों के विलय पर तुरंत फैसला नहीं

» कानूनी राय लेंगे लोकसभा अध्यक्ष ममता गुट से भी मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 बागी सांसदों द्वारा एनसीपीआई पार्टी में विलय करने के मामले में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला फूंक-फूंक कर कदम

रख रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, स्पीकर कोई भी फैसला सुनाने से पहले दोनों पक्षों यानी बागी सांसदों और ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले मूल टीएमसी गुट की दलीलें खुद सुनेंगे। इसके लिए स्पीकर दफ्तर ने ममता बनर्जी के गुट को एक ईमेल भी भेजा है, जिसमें इस पूरे मामले पर उनका पक्ष और राय मांगी गई है।

सूत्रों का कहना है कि संसद के मानसून सत्र से पहले इस पर फैसला ले लिया जाएगा। इसके लिए स्पीकर ओम बिरला इस मामले पर केंद्रीय कानून मंत्रालय से लिखित कानूनी राय मांग सकते हैं। कानून मंत्रालय इसके लिए देश के वरिष्ठ कानून अधिकारियों (सरकारी वकीलों) से सलाह लेगा। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि स्पीकर का फैसला कानूनी रूप से इतना मजबूत हो कि अगर इसे बाद में कोर्ट में चुनौती दी जाए, तो वह खारिज न हो।

युवती की खून से लथपथ लाश क्राइम ब्रांच ने खंगाले नेटवर्क

» रामपुर मथुरा थाना इलाके में सरैया मसूदपुर गांव के सामने तालाब किनारे मिला था शव, शिनाख्त न होने के कारण 72 घंटे रखा जायेगा सुरक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतापुर। जिले के रामपुर मथुरा इलाके में 24 घंटे के बीच जिस युवती का शव मिला, उसकी जाँच में ये तस्वीर तो साफ हो गयी कि हत्यारों ने हत्या कहीं और की और शव छुपाने के लिए रामपुर मथुरा इलाके के बांसुरा-गुडैचा मार्ग पर सरैया मसूदपुर गांव के नजदीक तालाब के किनारे झाड़ी में डाल दिया।

हाल फिलहाल क्राइम ब्रांच की टीम की जाँच में ये तथ्य सामने आये हैं। ऐसे में नेटवर्कों की मदद के सहारे कुछ संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

बता दें कि रामपुर मथुरा थाना इलाके के बाँसुरा चौकी क्षेत्र के सरैया मसूदपुर गांव के समीप तालाब के किनारे एक युवती का रक्तरंजित शव पाया गया था। गले पर गहरे जख्म के निशान थे। पुलिस ने केस दर्ज करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। चूंकि शिनाख्त नहीं हो सकी है, ऐसे में शव को 72 घंटे के लिए सुरक्षित पोस्टमार्टम हाउस में रखा गया है। उधर, क्राइम ब्रांच और पुलिस की अन्य टीमों ने सूत्र खंगाले तो पता चला कि हत्यारों ने घटनास्थल महज शव छुपाने के लिए चुना। हत्या कहीं और की गयी और इस इलाके में उसके शव को लाकर डाल दिया गया। इनपुट मिलने के बाद कुछ संदिग्धों से पूछताछ शुरू की गयी है।

अशोक गहलोत के बयान पर घमासान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस के सीनियर नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि अगर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी आज जीवित होतीं, तो उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर प्रतिबंध लगा दिया होता। जयपुर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान दिए गए उनके इस बयान पर सत्ताधारी पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है, जिससे विचारधारा, धर्म-आधारित राजनीति और लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर कांग्रेस और बीजेपी के बीच ज़बरदस्त जुबानी जंग फिर से छिड़ गई है।

सभा को संबोधित करते हुए गहलोत ने मौजूदा राजनीतिक माहौल पर तीखा हमला किया और इसे अपने दशकों लंबे सार्वजनिक जीवन में देखे गए सबसे चिंताजनक दौर में से एक बताया। गहलोत ने कहा कि अगर इंदिरा गांधी जैसी नेता आज जीवित होतीं, तो वह बीजेपी जैसी पार्टी पर प्रतिबंध लगा देतीं। मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं कि आज का माहौल बेहद खतरनाक है। उन्होंने आरोप

लगाया कि मौजूदा राजनीतिक विमर्श धार्मिक ध्रुवीकरण से तय हो रहा है और सत्ता में बैठे लोगों पर समाज में जानबूझकर विभाजन को गहरा करने का आरोप लगाया। गहलोत ने चुनावों में, खासकर उत्तर प्रदेश में, अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधित्व को लेकर बीजेपी के नज़रिए पर भी सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि पार्टी मुस्लिम उम्मीदवार क्यों नहीं उतारती, और तर्क दिया कि सांकेतिक प्रतिनिधित्व से भी सबको साथ लेकर चलने की भावना को बढ़ावा मिल सकता है। उन्होंने कहा कि आप देश की जनता को दिखाने के लिए ही सही, पांच सीटें तो दे सकते थे। लेकिन आप यह दिखाना चाहते हैं कि आप पूरी तरह से हिंदुत्ववादी पार्टी हैं। कांग्रेस नेता ने बीजेपी पर पहचान की राजनीति पर बहुत ज़्यादा निर्भर रहने का आरोप लगाया और सवाल किया कि क्या सिर्फ़ एक विचारधारा के आधार पर शासन चलाया जा सकता है।

गहलोत की टिप्पणियां उकसाने वाली : शहजाद पूनावाला

बीजेपी ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए गहलोत की टिप्पणियों को उकसाने वाला और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को दिखाने वाला बताया। पार्टी के प्रवक्ता शहज़ाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि इन बयानों से कांग्रेस की हिंदुत्व के प्रति दुश्मनी ज़ाहिर होती है। पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हिंदुओं और हिंदुत्व से नफ़रत करती है। अशोक गहलोत का बयान इसका एक और उदाहरण है। उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही हिंदुत्व को जीवन जीने का एक तरीका मान चुका है और किसी राजनीतिक पार्टी पर प्रतिबंध लगाने के पूर्व मुख्यमंत्री के सुझाव पर सवाल उठाए।

डीएमके का एक बार फिर राहुल गांधी पर हमला

» अपने मुखपत्र मुरासोली में कांग्रेस की आलोचना की

» पार्टी बोली- विपक्षी एकता के लिए बड़ा मज़ाक

» राजनीतिक रूप से अपरिपक्व हैं नेता प्रतिपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में करारी हार के एक महीने बाद, डीएमके ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर दोतरफा हमला बोला है। पार्टी ने उन पर विपक्ष की एकता को कमजोर करने और राजनीतिक सहयोगियों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया है। दोनों पूर्व सहयोगियों के बीच बढ़ते तनाव के बीच, यह आलोचना डीएमके के आईटी विंग और पार्टी के आधिकारिक मुखपत्र मुरासोली के ज़रिए की गई।

चुनाव के बाद तमिलनाडु में डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन से अलग होने के कांग्रेस के फ़ैसले के बाद, डीएमके आईटी विंग ने सोशल मीडिया पर राहुल गांधी और कांग्रेस की आलोचना की। गठबंधन से कांग्रेस के अलग होने का जिक्र करते हुए, डीएमके आईटी विंग विंग ने पोस्ट किया कि जब कांग्रेस अपने राजनीतिक अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही थी, तब हमने उन्हें अपने कंधों पर ढोया, लेकिन जैसे ही उन्हें कोई नया आकर्षक खिलौना दिखा, वे हमें छोड़कर चले गए। पोस्ट के आखिर में राहुल गांधी को एक बड़ा मज़ाक बताया गया। विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस और डीएमके के बीच मतभेद होने के बाद से, डीएमके की ओर से कांग्रेस नेता पर किए गए सबसे तीखे सार्वजनिक हमलों में से एक था यह बयान। वहीं, सोमवार को मुरासोली में छपे एक संपादकीय में राहुल गांधी पर आरोप लगाया गया कि वे इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के बीच एकता की सार्वजनिक रूप से वकालत करने के बावजूद, विपक्ष के खेमे में फूट डालने का काम कर रहे हैं।

मिलिट्री जैसी सुरक्षा में नीट परीक्षा उचित नहीं : अन्नामलाई

चेन्नई। के. अन्नामलाई ने नीट री-टेस्ट में अपनाई गई अत्यधिक सुरक्षा व्यवस्थाओं पर केंद्र सरकार और एनटीए की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि आईएएफ एयरलिफ्ट, सीआरपीएफ+सीआईएसएफ सुरक्षा और बायोमेट्रिक पहचान जैसी कड़ी जांच-पड़ताल छात्रों के परीक्षा तनाव को अभूतपूर्व रूप से बढ़ाएगी, जो एनईपी -2020 के उद्देश्यों के विपरीत है। हाल ही में पार्टी छोड़ने वाले तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व प्रमुख के. अन्नामलाई ने 21 जून को होने वाले नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट के री-टेस्ट से कुछ दिन पहले केंद्र सरकार पर निशाना साधा। नीट – जो देश भर में होने वाली मेडिकल प्रवेश परीक्षा है – का री-टेस्ट 21 जून को होना है। केंद्र सरकार ने बड़े पैमाने पर पेपर लीक और गड़बड़ियों के कारण 3 मई को हुई मूल परीक्षा को रद्द करने की घोषणा की थी, जिसके एक महीने से ज्यादा समय बाद यह री-टेस्ट हो रहा है।

अब समझौते के किसी भी उल्लंघन के लिए अमेरिका जिम्मेदार होगा : बघाई

» ईरान बोला-एमओयू के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरी तरह निभाएं ट्रंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित शांति समझौते को लेकर ईरान ने बड़ा बयान दिया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने साफ कहा है कि समझौते के किसी भी उल्लंघन के लिए अमेरिका जिम्मेदार होगा।

उन्होंने कहा कि अमेरिका पर यह जिम्मेदारी है कि वह मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरी तरह निभाए। इस्माइल बघाई ने कहा कि अमेरिका केवल अपने कदमों के लिए ही नहीं, बल्कि क्षेत्र में मौजूद अपने सहयोगियों और अन्य पक्षों द्वारा समझौते के उल्लंघन की स्थिति में भी जिम्मेदार माना जाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी पक्ष पर यह दायित्व है कि वह समझौते का सम्मान सुनिश्चित करे।

समझौता होने का मतलब अपराधों को भूलना नहीं

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग तक पहुंचने का यह मतलब नहीं है कि अतीत की घटनाओं और अपराधों को माफ कर दिया गया है या उन्हें भुला दिया गया है. उन्होंने कहा कि ईरान अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों से किसी भी तरह का समझौता नहीं करेगा। जानकारी के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच तैयार हुआ प्रारंभिक समझौता मुख्य रूप से पाकिस्तान की मध्यस्थता से संभव हुआ है।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा